www.tamsasanket.com
वर्ष: 06 || अंक 35 || लखनऊ
मंगलवार
05 मई 2026 || पृष्ठ: 04 || मूल्य: ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 05:25
सूर्यास्त: 06:41
अधिकतम: 29°00
न्यूनतम: 22°00

» पेज 03

विशेष समाचार: विश्व योग आंदोलन के प्रवर्तक... » पेज 02 | कार ने सड़क पर खड़े लोगों को... » पेज 04 | 43 की हुई तृषा कृष्णन ...

गंगोत्री से गंगासागर तक कमल खिला : मोदी

घुसपैठियों के खिलाफ एक्शन लेंगे, पहली कैबिनेट में आयुष्मान भारत को मंजूरी मिलेगी

जीत

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने सोमवार को दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय पर कहा- बंगाल की पहली कैबिनेट मीटिंग में ही आयुष्मान भारत को मंजूरी मिलेगी। घुसपैठ करने वालों पर एक्शन लिया जाएगा। महिलाओं को सुरक्षा का महौल मिलेगा, युवाओं को रोजगार मिलेगा, पलायन रुकेगा। 47 मिनट के भाषण में उन्होंने पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में सरकार बनने पर कहा- गंगोत्री से गंगासागर तक कमल ही कमल खिला है। सालों की साधना जब सिद्धि में बदलती है तो जो खुशी होती है वो खुशी कार्यकर्ताओं के चेहरे पर देख रहा हूं। पिछले साल 14 नवंबर को मैंने यहीं से कहा था गंगा जी बिहार से आगे होते हुए गंगासागर तक जाती हैं आज बंगाल की जीत के साथ गंगोत्री से लेकर गंगासागर तक कम ही कमल खिला है। उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार और अब पश्चिम बंगाल। आज मां गंगा के पास बसे राज्यों में भाजपा-एनडीए सरकार है। 2013 में जब भाजपा ने मुझे प्रधानमंत्री के उम्मीदवार के रूप में काम दिया और काशी में जब फॉर्म भरने गया तो मेरे दिल से निकला कि न मुझे किसी ने भेजा है मां गंगा ने मुझे बुलाया है बंगाल के भाग्य में आज से एक नया अध्याय जुड़ गया। आज बंगाल भय मुक्त हुआ है। पहली बार डर नहीं लोकतंत्र जीता है। आज जब भाजपा जीती है तो बदला नहीं बदलाव की बात होनी चाहिए। भय नहीं भविष्य की बात होनी चाहिए। मेरी सभी दलों के कार्यकर्ताओं से अपील है कि आइए हिंसा के इस अंतहीन चक्र को हमेशा के लिए खत्म करें।

» (शेष पेज 04 पर)

> मोदी बोले- भारत की जनता ने इस राजनीति का जवाब दिया जनता ने बताया उसे विवाद नहीं विकास चाहिए, विभाजन नहीं साथ चाहिए। आजादी के बाद कांग्रेस ने देश के हर राज्य में सरकारें बनाईं। लेकिन जैसे जैसे आजादी के आंदोलन से देश आगे निकला वैसे कांग्रेस जनता का भरोसा खोती गई।

बंगाल में पहली बार बंदूक की आवाज नहीं गूंजी। पहली बार डर नहीं, लोकतंत्र जीता है। आज बंगाल ने परिवर्तन के नए दौर में प्रवेश किया है।

नरेंद्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री

ममता स्ट्रॉन्गरूम से निकलकर बोलीं- मुझे मारा, धक्का दिया

बंगाल की 294 सीटों में से भाजपा ने 146 सीटें जीत ली हैं और 62 पर आगे है। टीएमसी ने 53 सीटें अपने नाम कीं और 26 सीटों पर आगे चल रही है। कांग्रेस को सिर्फ दो सीट पर जीत मिली है। एक सीट फालता पर 21 मई को फिर वोटिंग होगी। भवानीपुर से ममता करीब 500 वोट से पीछे हैं। वे काउंटिंग सेंटर में करीब 5 घंटे रहीं। बाहर आकर उन्होंने आरोप लगाया कि, मुझे अंदर धक्का दिया और पीटा गया। यहां दोबारा काउंटिंग होनी चाहिए।

मोदी बोले- गंगोत्री से गंगासागर तक कमल खिला

मोदी बोले- भारत के लोकतंत्र की गरिमाओं को बनाए रखने में आप सबका इतिहास हमेशा याद रखेगा। पिछले साल 14 नवंबर को मैंने यहीं से कहा था गंगा जी बिहार से आगे होते हुए गंगासागर तक जाती हैं। आज बंगाल की जीत के साथ गंगोत्री से लेकर गंगासागर तक कमल ही कमल खिला है। उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार और अब पश्चिम बंगाल। आज मां गंगा के पास बसे राज्यों में भाजपा एनडीए सरकार है।

कोलकाता में जीत के बाद जश्न मनाते भाजपा कार्यकर्ता।

चुनाव परिणाम 2026

पश्चिम बंगाल — बहुमत 147 — कुल सीटें 293 / 293

टीएमसी	बीजेपी	अन्य
79	208	6

तमिलनाडु — बहुमत 118 — कुल सीटें 234 / 234

डीएमके+	टीवीके	अन्य
59	106	69

असम — बहुमत 64 — कुल सीटें 126 / 126

बीजेपी+	कांग्रेस+	अन्य
102	19	5

केरलम — बहुमत 71 — कुल सीटें 140 / 140

एलडीएफ	यूडीएफ	अन्य
35	97	8

पुडुचेरी — बहुमत 16 — कुल सीटें 30 / 30

बीजेपी+	कांग्रेस+	अन्य
17	6	7

नितिन नवीन बोले- हम भरोसे के साथ चल रहे हैं

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जनता भय के वातावरण से मोदी के भरोसे के वातावरण में आई है।

राहुल ने ममता-स्टालिन से की बात, चुनाव नतीजों पर चर्चा

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने हाल ही में आए पांच राज्यों के चुनाव नतीजों के बाद तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी, डीएमके अध्यक्ष एम.के. स्टालिन और टीवीके प्रमुख विजय से फोन पर बातचीत की। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने जानकारी देते हुए बताया कि राहुल गांधी ने चुनाव परिणामों पर चर्चा की और टीवीके के प्रदर्शन के लिए विजय को बधाई भी दी। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि राहुल गांधी ने ममता बनर्जी और एम.के. स्टालिन से चुनाव नतीजों को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने टीवीके प्रमुख विजय को उनकी पार्टी के प्रदर्शन पर शुभकामनाएं दीं। इस चुनाव में पश्चिम बंगाल में टीएमसी को भाजपा के हाथों हार का सामना करना पड़ा, जबकि तमिलनाडु में डीएमके को नए राजनीतिक दल टीवीके से चुनौती मिली।

योगी कैबिनेट बैठक में 27 अहम फैसले

ट्रांसफर नीति पर मुहर, लाखों राज्यकर्मचारियों के लिए खुशखबरी

मंजूरी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को हुई कैबिनेट बैठक में 27 अहम फैसले हुए। राज्य सरकार ने वर्ष 2026-27 के लिए सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों की नई स्थानांतरण नीति जारी कर दी है। इसके साथ ही एक जनपद एक व्यंजन योजना को कैबिनेट की मंजूरी मिली है। इसके लिए गुणवत्ता और पैकेजिंग बेहतर की जाएगी। प्रेरणा स्थल पर एक व्यंजन महासम्मेलन करवाया जाएगा, जिसमें खाद्य क्षेत्र की तकनीक लोगों को भी आमंत्रित किया जाएगा। इसके अलावा जालौन में पांच सौ मेगावाट क्षमता का सोलर प्लांट स्थापित होगा। दो-दो सीएम फैलो तैनात होंगे। एक आर्थिक क्षेत्र और दूसरा डेटा एनालिसिस में जानकार होगा। 50 हजार मानदेय, 10 हजार आवास भत्ता और लैपटाप दिया जायेगा।

» (शेष पेज 04 पर)

सुप्रीम कोर्ट का ट्रांसजेंडर संशोधन एक्ट पर केंद्र-राज्यों को नोटिस

6 हफ्ते में जवाब मांगा, सिंघवी बोले- संशोधन पहचान खुद तय करने का अधिकार छीनता है

कार्यवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन अधिनियम, 2026 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर केंद्र सरकार और सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को नोटिस जारी किया है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने इस मामले पर 6 हफ्ते के भीतर जवाब मांगा है। अब इस मामले की सुनवाई तीन जजों की बेंच करेगी सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने 'सेल्फ आइडेंटिफिकेशन' के अधिकार को लेकर कुछ चिंताएं जताईं। उन्होंने पूछा, 'क्या इससे कोई खतरा पैदा नहीं होता? क्या ऐसे लोग नहीं हो सकते जो ट्रांसजेंडर होने का दिखावा करें ताकि उन्हें इस समुदाय के लिए तय आरक्षण या विशेषाधिकारों का लाभ मिल सके?' याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी ने संशोधन पर कड़ी आपत्ति जताई।

> *एक पक्ष हर्ष असद ने बेंच को बताया कि यह एक्ट अभी लागू नहीं हुआ है, क्योंकि केंद्र ने इसे नोटिफाई नहीं किया है। उन्होंने दलील दी कि याचिकाएं समय से पहले दाखिल की गई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि समुदाय के कुछ लोग सरकार के साथ बातचीत कर रहे हैं ताकि इस संशोधन को लागू न किया जाए, और कोर्ट का नोटिस उस प्रक्रिया में बाधा डाल सकता है।*

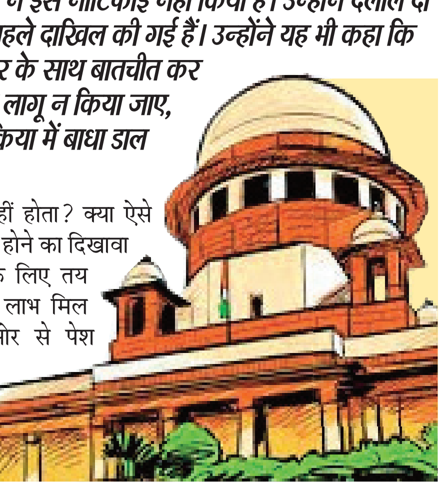

» (शेष पेज 04 पर)

फास्ट न्यूज

टैंपो-बाइक टक्कर में दो युवक घायल

बागपत। बागपत में रिवर पार्क के पास हाइवे पर एक तेज रफ्तार टैंपो और बाइक की टक्कर हो गई। इस हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बागपत में भर्ती कराया गया है। यह घटना उस समय हुई जब कोतवाली बागपत क्षेत्र के सरूरपुर कलां गांव निवासी बबलू और कृष्ण एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे।

शिमला के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

शिमला। हिमाचल की राजधानी शिमला में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया जब शहर के कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। ईमेल के जरिए धमकी के बाद स्कूल प्रबंधन ने एहतियातन अभिभावकों को मैसेज भेजा और बच्चों को तुरंत घर ले जाने को कहा। इस मैसेज को देखकर अभिभावकों में हड़कंप मच गया। परिजन आनन-फानन में स्कूल पहुंचे और अपने बच्चों को वापस ले गए। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गईं। एसपी शिमला गौरव ने बताया कि जनरल थ्रेट आई है। पुलिस जांच में जुटी हुई है और स्कूलों में ड्रिल चल रही है। यह धमकी शहर के चैल्सी, दयानंद, सेंट थॉमस, डीएवी टुटू इत्यादि स्कूलों को मिली है।

पिता-बेटे के शव ले जाने से फ्लाइट ऑपरेटर का इनकार

जबलपुर। जबलपुर के बरगी क्रूज हादसे में सिस्टम की लापरवाही से 13 जानें चली गईं। प्राथमिक जांच में खराब मौसम के अलर्ट की अनदेखी को इसकी मुख्य वजह माना जा रहा है। हद तो ये है कि मृतकों के शव की भी दुर्दशा की जा रही है। हादसे में जान गंवाने वाले आर्डनेंस फैक्ट्री के कर्मचारी कामराज आर और उनके 5 साल के बेटे श्रीतमिल का शव ले जाने से फ्लाइट ऑपरेटर ने मना कर दिया।

डिफेंस की तरह नॉलेज कॉरिडोर तैयार करें : रक्षा मंत्री

राजनाथ सिंह ने कहा- हमें सरप्राइज एलिमेंट पर प्रो-एक्टिव होकर काम करना है

कार्यवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

- नॉर्थ टेक सिम्पोजियम के उद्घाटन के मौके पर पहुंचे रक्षामंत्री राजनाथ सिंह।
- नॉर्थ टेक सिम्पोजियम के उद्घाटन के मौके पर मौजूद सेना के अधिकारी।

प्रयागराज। प्रयागराज में सोमवार को उत्तर प्रौद्योगिकी संगोष्ठी (नॉर्थ टेक सिम्पोजियम) 2026 की शुरूआत हो गई। इसका उद्घाटन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया। उन्होंने कहा- डिफेंस कॉरिडोर की तरह नॉलेज कॉरिडोर तैयार करें। उन्होंने कहा- ऑपरेशन सिंदूर के बाद दुनिया को हमारी ताकत का एहसास हो गया है। उन्होंने कहा- मैं प्रो-एक्टिव तैयारी की बात कर रहा हूं। वो है सरप्राइज एलीमेंट। हमें ऐसी क्षमताएं भी विकसित करनी है जो जरूरत पड़ने हम ऐसा प्रहार कर सकें जिससे दुश्मन सरप्राइज हो जाए। मुझे पता है कि हमारी सेना इस ओर काम कर रही हैं। अब हमें प्रो-एक्टिव होकर काम करना है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा- ऑपरेशन सिंदूर का उदाहरण हमारे सामने है। इस ऑपरेशन के एक साल पूरे हो चुके हैं।

» (शेष पेज 04 पर)

लखनऊ में सीएम ने बांटे 500 लेखा परीक्षकों को नियुक्ति पत्र, जेपीएनआईसी भ्रष्टाचार का उदाहरण

चाचा-भतीजा मॉडल नौकरियों में अब नहीं चलता : योगी

कार्यक्रम

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लोक भवन सभागार में यूपी अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से चयनित 500 लेखा परीक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इनमें पंचायत लेखा परीक्षा विभाग के 371 और स्थानीय निधि लेखा परीक्षा के 129 अभ्यर्थी शामिल हैं। सीएम ने कार्यक्रम में वित्तीय प्रबंधन का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि गंगा एक्सप्रेसवे जैसे प्रोजेक्ट पर 42 हजार करोड़ रुपए से अधिक खर्च हुए, फिर भी सरकार को बैंकों से कर्ज नहीं लेना पड़ा।आज यूपी रेवेन्यू सरप्लस स्टेट बन चुका है। पिछली सरकारों के कर्ज को कम करने में हम सफल हुए हैं। प्रदेश देश के टॉप-3 राज्यों में शामिल हो चुका है। कहा- अब चाचा-भतीजा मॉडल नहीं चलता है। नौकरियों में सिफारिश नहीं चलती, टैलेंट पर सबको नौकरी मिलती। पहले पर्चियां निकलती थीं। सीएम ने कहा कि नगर निगम और नगर पालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मजबूत वित्तीय प्रबंधन जरूरी है। उन्होंने लेखा परीक्षकों से कहा कि वे आय-व्यय का सही आकलन कर निकायों को मजबूत बनाएं। पंचायती राज व्यवस्था देश की नींव है।

» (शेष पेज 04 पर)

अब नहीं चलता 'चाचा-भतीजा' मॉडल

सीएम ने भर्ती प्रक्रिया पर टिप्पणी करते हुए कहा कि पहले सिफारिश और पक्षपात से भर्तियां होती थीं। पहले चाचा-भतीजे सूची भेजते थे, चेयरमैन अपनी मर्जी से भर्ती कर लेते थे। 50 की जगह 75 नियुक्तियां हो जाती थीं।

जेपीएनआईसी बना कुप्रबंधन का उदाहरण

सीएम ने लखनऊ स्थित जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर (JPNIC) का जिक्र करते हुए कहा कि यह वित्तीय कुप्रबंधन का बड़ा उदाहरण है। 220 करोड़ रुपए की लागत से शुरू हुआ प्रोजेक्ट 860 करोड़ रुपए खर्च होने के बाद भी अधूरा है। कहा- यह पैसा किसी व्यक्ति या सरकार का नहीं, जनता का है। प्रदेश में ऐसे एक दर्जन मामले हैं, जहां हजारों करोड़ रुपए का दुरुपयोग हुआ।

> 66 सीएम ने कहा कि 2017 से पहले आबकारी (एक्साइज) से केवल 12 हजार करोड़ रुपए का राजस्व मिलता था, जो अब बढ़कर 63 हजार करोड़ रुपए हो गया है। पहले लीकेज में कई लोग हिस्सेदार थे, लूट मची थी। अब पारदर्शिता आई है, इसलिए आप लेखा परीक्षकों की भूमिका और अहम हो जाती है।

मौत : पति सऊदी में रहता है, महिला से शादी करना चाहता था, इनकार पर 5 मर्डर किए

मां, 4 बच्चों की हत्या करने वाला एनकाउंटर में ढेर

तमसा संकेत, एजेंसी

अम्बेडकरनगर। यूपी के अंबेडकरनगर में 4 बच्चों की हत्या उनकी मां ने नहीं की थी, बल्कि पड़ोसी आमिर ने महिला और उसके बच्चों की हत्या की थी। सोमवार को पुलिस ने 19 साल के आमिर को एनकाउंटर में मार गिराया। सीओ नीतीश तिवारी ने बताया- महिला का पति सऊदी अरब में रहता है। परिवार वालों के मुताबिक, उसने वहीं पर पाकिस्तान की महिला से शादी कर ली है। इसलिए आरोपी आमिर महिला से शादी कर उसकी जमीन हड़पना चाहता था, लेकिन उसने इनकार कर दिया। 2 मई को नाराज आमिर ने महिला और उसके बच्चों से मारपीट की, जिससे महिला बेहोश हो गई। इसके बाद आरोपी ने चारों बच्चों की हत्या कर दी। इसी दौरान महिला को होश आया और वह चिल्लाने लगी, तो आरोपी ने उसकी भी हत्या कर दी। इसके बाद वह महिला की लाश को करीब 200 मीटर तक घसीटकर नाले में फेंक आया। पुलिस को गुमराह करने के लिए आरोपी ने ऐसा किया, ताकि लगे कि महिला ने ही अपने बच्चों की हत्या की है।ऐसा हुआ भी और पुलिस उसके ट्रैप में फंस गई। वारदात के बाद पहुंची पुलिस ने आशंका जताई थी कि मां बच्चों की हत्या कर फरार हो गई। हालांकि, रविवार को नाले में महिला गौसिया की लाश मिली तो पुलिस की थ्योरी ही पलट गई। उसके शरीर पर चोट के निशान पाए गए। पुलिस ने हत्या के एंगल से जांच शुरू की।

» (शेष पेज 04 पर)

आमिर, मृतक

> एसपी प्राची सिंह ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि नेवतरिया बाईपास के पास आरोपी आमिर मौजूद है और भागने की फिराक में है।

पुलिस ने घेरा तो आरोपी ने फायरिंग की, जवाबी कार्रवाई में गोली लगी

उन्होंने बताया- भागने के दौरान बाइक फिसल गई। इसके बाद उसने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसके सीने में गोली लगी। पुलिस उसे जिला अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

गाजिया खातून (34), मां | शफीक (14), बेटा | सऊद (12), बेटा | उमर (10), बेटा | सादिया (8), बेटी

2 मई को 4 बच्चों की लाश मिली, मां लापता बताई गई

मीरानपुर मोहल्ले में नियाज (42) की पत्नी गौसिया खातून (34) अपने 4 बच्चों शफीक (14), सउद (12), उमर (10) और बेटी सादिया (8) के साथ एक दो मंजिला मकान में रहती थी।

विक्रमशिला पुल का 34 मीटर स्लैब गंगा में गिरा

भागलपुर। बिहार के भागलपुर में 4.7 किमी लंबे विक्रमशिला सेतु का 34 मीटर हिस्सा रविवार देर रात गंगा में गिर गया। राहत की बात रही कि प्रशासन ने पहले ही ट्रैफिक रोक दिया था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। इस घटना से सीमांचल समेत करीब 16 जिलों की कनेक्टिविटी प्रभावित हुई है और रोजाना करीब 1 लाख लोगों के आवागमन पर असर पड़ा है। पिछले 10 साल में इस पुल की तीन बार मरम्मत हो चुकी है, और हाल ही में मार्च 2026 में भी रिपेयर वर्क हुआ था। पुल यूपी ब्रिज कॉर्पोरेशन ने बनाया था। लापरवाही को लेकर पथ निर्माण विभाग ने एग्जीक्यूटिव इंजीनियर को सस्पेंड किया है। बिहार राज्य पुल निगम लिमिटेड के अध्यक्ष डॉ चंद्रशेखर ने बताया, 'भागलपुर पुलिस प्रशासन, जिला प्रशासन की सजगता से बड़ी घटना होने से बचा है। अगर समय रहते पुलिस प्रशासन सजग नहीं होती तो कई लोगों की जान माल का नुकसान हो जाता। DPR बनाकर हम लोगों ने मेंटेनेंस के लिए भेजा था।

हिमाचल में तूफान से मकान की छत उखड़ी

कुफरी में ओलावृष्टि से बिछी बर्फ की सफेद चादर

नुकसान

तमसा संकेत, एजेंसी

- शिमला जिला के चौपाल के नेरवा में तूफान से उखड़ी छत्त।
- शिमला के छराबड़ा में भारी ओलावृष्टि के बाद फिसलने लगी गाड़ियां।

शिमला। हिमाचल प्रदेश के शिमला जिला के कई क्षेत्रों में आज (सोमवार को) दोपहर बाद भारी ओलावृष्टि हुई। इससे सेब, मटर और फूलगोभी की फसल को नुकसान हुआ। कई जगह सेब को ओलावृष्टि से बचाने के लिए लगाए गए एंटी हेल नेट और बांस भी टूट गए। शिमला जिला के नेरवा की केदी पंचायत के शुकराना गांव निवासी सीताराम शर्मा के घर की छत तूफान से उखड़ गई। क्षेत्र में अन्य लोगों के घरों की छत्त को भी तूफान से नुकसान पहुंचा है। नारकंडा, कुफरी, रोहड़ू, चौपाल, टियाली इत्यादि क्षेत्रों में भारी ओलावृष्टि हुई। कुफरी में ओलावृष्टि के बाद सड़क पर बर्फ जैसी सफेद चादर बिछ गई।

सम्पादकीय

बरगी बांध हादसे पर कुछ सवाल

मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले में बरगी बांध में गुरुवार शाम हुए क्रूज नाव हादसे में एक सुखद सैर भयानक स्वप्न में बदल गई। इस दर्दनाक घटना में अब तक कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 3 छोटे बच्चे भी शामिल हैं। हादसे के बाद की एक बेहद मार्मिक तस्वीर सामने आई है, जिसमें एक महिला से उसका छोटा बच्चा चिपका हुआ है। लोग इस तस्वीर को देखकर ममता की व्याख्या कर रहे हैं कि मौत भी ममता पर भारी नहीं पड़ पाई। तस्वीर देखकर समझा जा सकता है कि मां ने अपने बच्चे को और खुद को बचाने के लिए आखिरी सांस तक कितना संघर्ष किया होगा। ऐसी कई दर्दनाक कहानियां इस हादसे के बाद कहने-सुनाने के लिए बच गई हैं। किसी परिवार में एक साथ तीन अर्थियां उठीं, तो किसी बेटी ने आंखों के सामने अपनी मां को बहते देखा। कोई परिवार दूसरे शहर से घूमने आया था, और अब लौटा ही नहीं। हादसे से ठीक पहले के कई वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें देखा जा सकता है कि तेज बहती हवाओं और ऊंची उठती लहरों का आनंद लोग ले रहे हैं, सेल्फी खींच रहे हैं, संगीत पर थिरक रहे हैं। फिर पल भर में सारा मंजर बदल गया। दार्शनिक अंदाज में भी इस घटना की व्याख्या हो रही है कि देखो जीवन क्षणभंगुर है, एक क्षण में हँसते-खेलते लोग मौत के मुंह में समा गए। लेकिन यहां सवाल उठना चाहिए कि क्या भूकंप या सुनामी जैसी कोई आपदा आई थी, जिस पर इंसान का कोई बस नहीं है, या इतने सारे लोग एक साथ अकाल मौत नहीं मरते अगर नियमों का कड़ाई से पालन किया जाता। ध्यान रहे कि गुरुवार शाम करीब 4:30 बजे ये हादसा हुआ। जबकि मौसम विभाग ने एक दिन पहले ही चेतावनी दी थी कि इलाके में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की तेज हवाएं चल सकती हैं। तो इसके बावजूद क्रूज संचालन की अनुमति क्यों दी गई। बताया जा रहा है कि क्रूज करीब 90 लोगों की क्षमता वाला था, लेकिन उस समय इसमें लगभग 40 यात्री सवार थे। लेकिन फिर भी यह दुर्घटना हुई, क्योंकि कई यात्री तेज हवाओं के बीच ऊपर वाले डेक पर चले गए, क्योंकि वहां खुली जगह थी। लेकिन इससे संतुलन बिगड़ गया। वजन ऊपर की तरफ बढ़ने से नाव एक तरफ झुकने लगी और लगातार हिलने लगी। घबराए हुए लोग एक तरफ से दूसरी तरफ भागने लगे, जिससे स्थिति और खराब हो गई। इसी कारण पानी नाव के निचले हिस्से में भरने लगा। जो लोग नीचे डेक पर थे या नीचे लौटे थे, वे वहीं फंस गए। यानी यह दुर्घटना टाली जा सकती थी, अगर क्रूज संचालकों ने पहले से सावधानी बरती होती। अगर एक साथ बहुत सारे लोगों को ऊपर नहीं जाने दिया जाता या जब निचले हिस्से में पानी भरने लगा, तब लोगों को नीचे लौटने से रोक कर फौरन बचाव के इंतजाम किए जाते तो शायद पर्यटकों को डूबने से बचाया जा सकता था। एक वीडियो सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि जब क्रूज पर पानी भरने लगा तो लाइफ जैकेट थैलों में से निकाले जा रहे थे। कायदे से क्रूज पर चढ़ते ही यात्रियों के लिए लाइफ जैकेट पहनना अनिवार्य किया जाना चाहिए। अगर कोई यात्री मना करे तो उसे फौरन उतार दिया जाए। आखिर यह सख्ती उनकी अपनी जान की सुरक्षा के लिए है। लेकिन इसमें भी क्रूज संचालकों की लापरवाही दिखी कि उन्होंने आग लगने पर कुआं खोदने वाला काम किया, जब डूबने की नौबत आई तो लाइफ जैकेट बांटे गए, जिस कारण कई यात्री बच नहीं पाए। इसमें काफी हद तक भारतीय समाज का लापरवाह रवैया भी झलकता है, जो सावधानी के लिए उठाए गए कदमों की अवहेलना कर खुश होता है। चाहे दोपहिया वाहनों पर बैठने के दौरान हेलमेट पहनना हो या कार में बैठकर सीट बेल्ट लगाना हो, जब तक मजबूरी न हो अधिकतर लोग ऐसा नहीं करते हैं। हवाई यात्रा में भी कई बार विमान परिचारिका को टोकना पड़ता है कि कुर्सी की पेटी बांधे या मोबाइल फोन बंद करें, तब जाकर कुछ यात्री सुनते हैं। नियम तोड़ने के लिए ही बनते हैं, न जाने ऐसी धारणा समाज में क्यों फैलाई गई है जिसके कारण नियम का पालन करने वालों का अक्सर मजाक भी उड़ाया जाता है। जबकि कानून-नियम आखिर में लोगों के लाभ के लिए ही बनते हैं। लोगों को सैर-सपाटा, मनोरंजन सब विदेशों की तरह चाहिए, लेकिन वहां लोग नियम का पालन एकदम अनुशासन में करते हैं, यह बात भी भारतीय समाज को देखनी चाहिए। बरगी बांध पर क्रूज पर बैठने वालों ने अगर पहले से लाइफ जैकेट मांगे होते तो शायद एक बड़ा हादसा टल सकता था। बहरहाल अब हादसे के बाद प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए क्रूज पायलट, एक सहायक और टिकट काउंटर प्रभारी की सेवाएं समाप्त कर दी हैं। वहीं, सरकारी मैकाल रिसॉर्ट और बोट क्लब के मैनेजर को भी लापरवाही के कारण निलंबित कर दिया और क्षेत्रीय प्रबंधक को मुख्यालय अटैच किया गया है। इस पूरे मामले की गहराई से जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति बनाई गई है। इसमें होमगार्ड और सिविल डिफेंस के डायरेक्टर जनरल, मध्य प्रदेश सरकार के सचिव और जबलपुर संभाग के कमिश्नर शामिल हैं। यह समिति हादसे के कारणों, नियमों के पालन और सुरक्षा व्यवस्था की पूरी जांच करेगी। सरकार ने यह भी घोषणा की है कि भविष्य में ऐसे हादसे न हों, इसके लिए पर्यटन विभाग क्रूज संचालन के लिए नए और सख्त नियम तैयार करेगा, ताकि यात्रियों की सुरक्षा को और मजबूत किया जा सके।

विश्व योग आंदोलन के प्रवर्तक स्वामी सत्यानंद सरस्वती का पदार्पण महोत्सव और तिरूपति बालाजी का आगमन

> 1995 में स्वामी सत्यानंद ने रिखिया में सीता कल्याणम शतचंडी महायज्ञ आरंभ किया। यहीं से इलाके में विकास की लौ जल उठी। आश्रम के सामने बने मिडिल स्कूल के बच्चों को किताब-कॉपी, जाड़े में गर्म कपड़े व जूते देने की शुरुआत हुई।

विश्व योग आंदोलन के प्रवर्तक स्वामी सत्यानंद सरस्वती का मुंगेर आगमन 6 मई 1957 को एक परिव्राजक संन्यासी के रूप में हुआ था। परिव्राजक के रूप में बिहार यात्रा के क्रम में छपरा के बाद 1956 में पहली बार मुंगेर आये. यहां की प्राकृतिक छटा उन्हें आकर्षित करती थी। यहां उन्होंने चातुर्मास भी व्यतीत किया। यहीं उन्हें दिव्य दृष्टि से यह पता चला कि यह स्थान योग का अधिष्ठान बनेगा और योग विश्व की भावी संस्कृति बनेगी। उनकी यह यात्रा मुंगेर को एक वैश्विक योग केंद्र (बिहार योग विद्यालय) बनाने की शुरुआत थी। इस ऐतिहासिक पदार्पण के 69 वर्ष पूरे होने पर 5-6 मई 2026 को मुंगेर में भव्य 'पदार्पण महोत्सव' और श्रीनिवास कल्याणोत्सवम् मनाया जा रहा है। सबसे बड़ा संयोग है कि इस अवसर पर आंध्र प्रदेश से सड़क मार्ग से चल कर भगवान श्री तिरुपति बालाजी की उत्सव मूर्ति मुंगेर पहुंच रही है। इस ऐतिहासिक क्षण को मुंगेरवासियों के लिए यादगार बनाने को लेकर योगाश्रम और जिला प्रशासन की ओर से तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। परमहंस स्वामी निरंजनानंद सरस्वती के अनुसार 2023 में सत्यानंद सरस्वती की जन्मशताब्दी धूमधाम से मनाई गई। इसकी गूंज पूरे दुनिया में हुई। पूरे भारत में हुई, पूरे बिहार में हुई। शताब्दी सौ वर्ष बाद मनाई जाती है। संन्यासियों की संख्या एक सौ नहीं, बल्कि एक सौ आठ है। इसलिए 2023 से 2031तक परमहंस स्वामी सत्यानंद की जयंती को पद्म जयंती के रूप में मनाया जा रहा है। इन वर्षों के दौरान देश में, विदेश में, राज्य में और नगर में विशेष आयोजन हो रहे हैं। इस वर्ष यह बिहार और मुंगेर का सौभाग्य है कि 6 मई को अपने गुरुदेव स्वामी सत्यानंद सरस्वती का प्रथम पदार्पण महोत्सव मनाने जा रहे हैं। इस समय तिरूपति बालाजी जी का आगमन मुंगेर में हो रहा है। तिरूपति वाला जी का आगमन छह तारीख को मुंगेर में होगा। प्रातः मुंगेर के पादुका दर्शन और आराधना होगी। छह मई को पादुका दर्शन परिसर उत्तरवाहिनी गंगा तट पर मुख्य कार्यक्रम आयोजित होगा। इस अवसर पर तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम से आए विद्वान आचार्य श्रीनिवास कल्याणोत्सवम समस्त धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराएंगे। इसके बाद पोलो ग्राउंड में चार बजे नगरवासियों को दर्शन देंगे।यह ऐतिहासिक क्षण होगा, जो बिहार के आध्यात्मिक इतिहास में अंकित किया जाएगा। स्वामी सत्यानंद सरस्वती देश के ऐसे संत हुए, जिन्होंने न सिर्फ योग को पूरी दुनिया में फैलाया बल्कि सामाजिक चिंतन के जरिए विकास के मॉडल को पेश किया। वे विशुद्ध आत्मभाव से प्रेरित एवं 'लोकाः समस्ताः सुखिनो भवन्तु' के दिव्य भाव से संचालित थे।उनका वेदान्त शास्त्रीय अथवा किताबी नहीं , बिल्कुल व्यवहारिक, प्रयोगात्मक, उपयोगी एवं मानवतावादी है। उनका मानवतावाद आत्मभाव पर आधारित है।इसे उन्होंने आर्थिक, सामाजिक परिवर्तन की एक सशक्त विचारधारा, उत्तम साधन एवं सर्वोपयोगी उपकरण के रूप में प्रस्तुत किया। स्वामी सत्यानंद का योग जहां व्यक्तित्व के शोधन-शुद्धिकरण-परिष्कार, उन्नयन-उत्थान विकास तथा ईश्वरीकरण की दिशा निश्चित करता है,उनका क्रांति दर्शन सामाजिक- आर्थिक परिवर्तन के सिद्धांत का प्रतिपादन एवं उसके क्रियान्वयन का मार्ग प्रशस्त करता है। स्वामी सत्यानंद के अनुसार-' योग शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थय की एक सुव्यवस्थित प्रणाली है। योग दर्शन के अनुसार- मानव तीन आधारभूत तत्त्वों- जीवनी शक्ति, या प्राण, मानसिक चित्त शक्ति या चित्त और आध्यात्मिक शक्ति या आत्मा का सम्मिश्रण है।' स्वामी सत्यानंदजी के जीवन प्रवाह में भी हम पाते हैं कि पढ़- लिख कर भरे-पूरे परिवार से आने वाला एक 20 वर्षीय युवक अध्यात्म की राह पर चल पड़ता है। वह गुरु सेवा में लीन होने के बाद नचिकेता का वैराग्य प्राप्त कर 12 वर्षों बाद एक परिव्राजक के रूप में देश दुनिया में योग के प्रसार में लग जाते हैं। याद करें 1960 के दशक में योग के यह भ्रामक धारणा प्रचलित थी कि यह साधु सन्यासियों का विषय है,गृहस्थों और महिलाओं को योग नहीं करना चाहिए। ऐसे समय में स्वामी सत्यानंद ने योग की उपयोगिता सिद्ध की। आज जहां मुंगेर में विश्व प्रसिद्ध बिहार योग विद्यालय है, वह स्थान कर्णचौरा के नाम से जाना जाता था। किंवदन्ती के अनुसार राजा कर्ण इसी चबूतरे पर बैठकर प्रतिदिन सवा मन सोना दान करता था। उसी चबूतरे पर कई बार शयनकर रातें काटीं थीं। उस चबूतरे पर स्वामी जी को कई दिब्य अनुभव हुए। उन्होंने यहीं पर बैठकर संकल्प लिया कि जहां राजा कर्ण बैठकर सोना दान करता था, वहां से मैं विश्व को शांति बांटूंगा और योग को भविष्य की संस्कृति के रूप में विकसित करूंगा। दुनिया के कई देशों में लाखों लोगों को भारत भूमि के प्राचीन योग विद्या से परिचित कराया, जिसका परिणाम है कि आज संयुक्त राष्ट्र ने योग को आधिकारिक मान्यता दी है। मुंगेर का गंगा दर्शन, पादुका दर्शन और देवघर के रिखियापीठ को देख यक्ष भाव मन में आता होगा कि परमहंस स्वामी सत्यानंद का जीवन वैभवपूर्ण रहा होगा लेकिन स्वामी सत्यानंद ने अभावपूर्ण, कष्ट और विपन्नता का जीवन जीते हुए पुनः मानवता को योग की संस्कृति देने का स्वप्न साकार किया। पुनः 1988 में मुंगेर त्यागने के बाद रिखियापीठ में आकार 1991 से रिखिया के स्थानीय लोगों के शैक्षिक - सामाजिक -आर्थिक उत्थान के काम का बीड़ा उठाते है। एक ऐसी आर्थिक -सामाजिक व्यवस्था जो धारित विकास के मूल्यों का मॉडल विश्व के समक्ष प्रस्तुत करता हो। आत्मिक विकास के साथ -साथ आर्थिक स्बाबलंबन के उनके प्रयास को वैश्विक अर्थव्यवस्था और ग्लोबल विलेज के परिप्रेक्ष्य में समझने की आवश्यकता है। उत्तराखंड के अल्मोड़ा में 25 दिसंबर 1923 को जन्मे स्वामी सत्यानंद सरस्वती इस शताब्दी के महानतम संतों में से एक हैं, जिन्होंने समाज के हर क्षेत्र में योग को समाविष्ट कर, सभी वर्गों, राष्ट्रों और धर्मों के लोगों का आध्यात्मिक उत्थान सुनिश्चित कर दिया। योग का तात्पर्य होता है जोड़ना. परमहंस स्वामी सत्यानंद सरस्वती ने योग का वैज्ञानिक रूप में पुनर्जीवन किया उस योग ने पूरी दुनिया को एक सूत्र में जोड़ कर रखा है।आज पूरब से लेकर पश्चिम तक जिस योगलहर में योगस्नान कर रहा है उसके मूल में स्वामी सत्यानंद सरस्वती का कर्म और उनके गुरु स्वामी शिवानंद सरस्वती का वह आदेश है जो उन्होंने सत्यानंद को दिया था। गुरु के आदेशानुसार उनके जीवन का एक ही लक्ष्य था- योगविद्या का प्रचार-प्रसार, द्वारे-द्वारे तीरे-तीरे दरअसल इस शताब्दी में योग की कहानी 1940 के दशक से आरंभ होती है। उस समय तक लोग योग से अनजान थे।

कुमार कृष्णन

जन सुराज का...

डॉ. ब्रजेश कुमार तिवारी

नागरिकों की समस्या बढ़ाते जटिल नियम

ओडिशा के क्योंझर जिले की घटना केवल एक विचलित कर देने वाली खबर नहीं, बल्कि यह भारतीय प्रशासनिक और बैंकिंग व्यवस्था का एक कुरूप चेहरा भी है। एक आदिवासी व्यक्ति अपनी मृत बहन के बैंक खाते से लगभग 19,300 रुपये निकालने के लिए इतना विवश हुआ कि वह उसका कंकाल लेकर बैंक पहुंच गया। बैंक की ओर से कहा गया कि मृत्यु प्रमाणपत्र और कानूनी उत्तराधिकारी से जुड़े दस्तावेज आवश्यक थे, जबकि परिजन का आरोप था कि उसे बार-बार लौटाया गया। हालांकि डिजिटल मीडिया पर आलोचना के बाद प्रशासन के हस्तक्षेप से उन्हें उनकी राशि दे दी गई, पर बात यहीं नहीं खत्म होती। यह घटना इसलिए अधिक पीड़ादायक है, क्योंकि भारत ने पिछले एक दशक में वित्तीय समावेशन की बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत करोड़ों बैंक खाते खोले जा चुके हैं। इनमें बड़ी संख्या महिलाओं, ग्रामीण परिवारों और कमजोर वर्गों की है। इसका अर्थ है कि बैंकिंग अब केवल शहरों, वेतनभोगी वर्ग और शिक्षित लोगों की सुविधा नहीं रही, बल्कि गरीब, मजदूर, किसान, आदिवासी, महिला और असंगठित क्षेत्र के नागरिक के जीवन से सीधे जुड़ गई है, लेकिन यही उपलब्धि अब हमें एक नए प्रश्न के सामने खड़ा करती है कि खाता खोलना तो आसान हो गया, पर खाते का अधिकार पाना क्या सचमुच आसान हुआ? ओडिशा की घटना बताती है कि वित्तीय समावेशन का अगला चरण केवल बैंक खाता नहीं, बल्कि बैंकिंग न्याय होना चाहिए। हालांकि बैंकिंग नियमों का अपना महत्व है। मृत जमाकर्ता के खाते से पैसा किसी भी व्यक्ति को नहीं दिया जा सकता। धोखाधड़ी रोकना, वास्तविक उत्तराधिकारी की पहचान बैंक को भविष्य के विवादों से बचाना आवश्यक है, लेकिन नियम का उद्देश्य न्याय होना चाहिए, नागरिक को अपमानित करना नहीं। नियम सुरक्षा दें, भय नहीं। प्रक्रिया मार्गदर्शन दे, भ्रम नहीं। आरबीआइ ने भी मृत जमाकर्ताओं के दावों के निपटान को सरल और समयबद्ध बनाने पर जोर दिया है, लेकिन समस्या यह है कि नियमों की संवेदनशील व्याख्या शाखा स्तर तक नहीं पहुंचती। शहरों में बैंक कर्मचारी ग्राहक को फार्म, ईमेल, हेल्पलाइन और कस्टमर केयर से जोड़ देते हैं, लेकिन ग्रामीण भारत में बैंक शाखा ही नागरिक के लिए पूरा सिस्टम है। वहां शाखा प्रबंधक, बैंक मित्र, पंचायत सचिव, पटवारी, तहसीलदार और पुलिस, सभी मिलकर नागरिक के लिए 'राज्य' का चेहरा बन जाते हैं। यदि इस चेहरे पर संवेदना नहीं है, तो नागरिक के लिए लोकतंत्र कागजों का ढेर बन जाता है। आज भारत डिजिटल भुगतान, यूपीआइ, आधार और जन-धन के माध्यम से वित्तीय समावेशन की दुनिया में उदाहरण बन चुका है, लेकिन सूचकांक और योजनाएं अपने-आप गरीब नागरिक की समस्या हल नहीं करतीं। असली परीक्षा तब होती है जब कोई अशिक्षित, आदिवासी, विधवा, बुजुर्ग या अकेला व्यक्ति बैंक के काउंटर पर खड़ा होता है और पूछता है कि अब मुझे क्या करना है? सिस्टम को बदलने की शुरुआत यहीं से होनी चाहिए। सबसे पहले, मृत खाताधारक के छोटे दावों के लिए एक सरल दावा प्रक्रिया बनाई जानी चाहिए। यदि खाते में राशि एक लाख रुपये से कम हो, तो ग्राम पंचायत, स्थानीय राजस्व अधिकारी, आधार आधारित पहचान, परिवार रजिस्टर, मृत्यु की स्थानीय पुष्टि और दो गवाहों के आधार पर प्राथमिक दावा स्वीकार किया जाना चाहिए। बड़ी राशि के मामलों में ही विस्तृत जांच आवश्यक होनी चाहिए। हर बैंक शाखा में मृत दावा सहायता डेस्क या कम-से-कम एक प्रशिक्षित अधिकारी हो, जो परिजन को चरणबद्ध तरीके से बताए कि कौन-सा फार्म भरना है, मृत्यु प्रमाणपत्र कहां से बनेगा, कानूनी उत्तराधिकारी प्रमाणपत्र की जरूरत कब है, नामिनी न होने की स्थिति में क्या करना है और दावा कितने दिन में निपटेगा? बैंक और स्थानीय प्रशासन के बीच एक फील्ड वेरिफिकेशन प्रोटोकाल भी होना चाहिए। यदि कोई गरीब, अशिक्षित या दूरस्थ क्षेत्र का नागरिक मृत खाताधारक का दावा लेकर आता है और दस्तावेज अधूरे हैं, तो बैंक उसे वापस न भेजे, बल्कि उसकी समस्या का समाधान करे। ग्रामीण भारत में सत्यापन केवल कागज से नहीं, समुदाय से भी होता है। सरपंच, वार्ड सदस्य, आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी सेविका, ग्राम रोजगार सेवक ये सभी स्थानीय वास्तविकता से परिचित होते हैं। सिस्टम यदि इन्हें जिम्मेदारी और जवाबदेही के साथ जोड़े, तो गरीबों को दफ्तर-दफ्तर नहीं भटकना पड़ेगा। इसके अलावा मृत्यु प्रमाणपत्र की प्रक्रिया को आसान और समयबद्ध बनाया जाना चाहिए। नामिनी को राष्ट्रीय वित्तीय साक्षरता अभियान का हिस्सा भी बनाया जाना चाहिए। आज करोड़ों बैंक खाते खुले हैं, लेकिन कितने खातों में नामिनी सही ढंग से दर्ज हैं, यह बड़ा प्रश्न है। अनक्लेम्ड डिपोजिट की समस्या को गंभीरता से लेना होगा। भारतीय बैंकों में हजारों करोड़ रुपये ऐसे खातों में पड़े हैं जिन पर किसी ने दावा नहीं किया है। लोगों का उत्तरदायित्व भी तय होना चाहिए। साथ ही सिंगल विंडो व्यवस्था भी होनी चाहिए, ताकि जब किसी व्यक्ति की मृत्यु हो, तो परिवार को बैंक, बीमा, पेंशन, राशन, आधार, भूमि रिकार्ड और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लिए अलग-अलग दफ्तरों में न जाना पड़े।

उल्लेखनीय है कि...

नीतीश कुमार सिंह

निर्वाचन आयोग के बुनियादी उद्देश्य और जन अपेक्षाएं

पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुड्डुचेरी के विधानसभा चुनावों के अंतर्गत पिछले माह संपन्न हुए मतदान के बाद उसके परिणाम सोमवार को घोषित हो रहे हैं। इस दौरान निर्वाचन आयोग विभिन्न कारणों से चर्चा के केंद्र में बना रहा। एक खालिस संवैधानिक निकाय 'निर्वाचन आयोग' निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव के साथ ही मतदाताओं से बिना किसी डर, भय और पक्षपात के उनके मताधिकार का प्रयोग कराता है। ऐसे में कई चुनावी राज्यों में बढ़े मत प्रतिशत सुरक्षित और हरेक समुदाय के मतदाताओं के जनतंत्र के प्रति विश्वास को जाहिर करता है। फिर भी कई सवाल इसके निर्माण काल से लेकर अब तक उठते रहे हैं। चुनाव-दर-चुनाव दुनिया की निगाहें विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र-भारत पर हैं। इसके पीछे की ताकत यहां की जनता ही है, जो केंद्र और राज्यों में सरकारों के बनने का मार्ग प्रशस्त करती है। इनके साथ देश में लोकतंत्र की बहाली के लिए एक 'निर्वाचन आयोग' पूरे समय काम करता है। आजादी के बाद से ही इस संवैधानिक संस्था को लेकर मंथन शुरू हो गया था। इसकी सबसे कड़ी कसौटी यह रही कि कार्यपालिका के किसी हस्तक्षेप के बिना यह संस्था काम करे और करोड़ों लोगों की आकांक्षाओं की प्रतिनिधि संस्था साबित हो। देश में जब पहली बार साल 1949-1950 में निर्वाचन संबंधी नियमावली का निर्माण हो रहा था, तब निर्वाचन से संबंधित कई सवाल उठे थे। यद्यपि निर्वाचन आयोग स्वयं उस दौरान निर्माण प्रक्रिया से गुजर रहा था। मसौदा समिति और केंद्रीय सरकार के सामने एक मसला आया था। उसमें प्रमुख सवाल था कि उस दौरान कुछ प्रांतों में कार्यपालिका यानी सरकार ने कुछ लोगों को जिनका मूल वंश, भाषा और संस्कृति वहां के बहुसंख्यक लोगों से भिन्न है, उनको निर्वाचन नियमावली में स्थान नहीं दे रहे हैं। इस पर डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर ने संविधान सभा में कहा था- 'मैं आशा करता हूं कि यह सभा समझती है कि मताधिकार ही जनतंत्र का आधार स्तंभ है। इसी क्रम में उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को वयस्क मताधिकार के रूप में सर्वोच्च नामावली (मतदाता सूची) में स्थान दिया जा सकता है। यदि स्थानीय सरकार विद्वेष के कारण या किसी पदाधिकारी की सनक के कारण इस अधिकार से इन्हें वंचित करती है, तो लोकतंत्र के मूल पर ही आघात होगा।' इस तरह के सवाल आज भी उठते हैं। उल्लेखनीय है कि संविधान सभा ने चुनावी प्रक्रिया में कार्यपालिका के हस्तक्षेप को लेकर पुरजोर परहेज किया। सभा के सदस्यों ने बार-बार जोर देकर अपने वक्तव्यों में कहा कि चुनाव आयोग कार्यपालिका से मुक्त एक स्वतंत्र संवैधानिक निकाय होगा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त स्थायी होगा और उसकी नियुक्ति राष्ट्रपति करेगा। साथ ही कार्यपालिका स्वेच्छा से मुख्य चुनाव आयुक्त के पद व प्रतिष्ठा को विघटित न कर सके, इसका भी पूरा ख्याल रखा गया। उन्हें उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों के बराबर दर्जा दिया गया।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

सोनी सिंह

वैश्विक रोजगार की ओर बढ़ता उत्तर प्रदेश - योगी सरकार की पहल से युवाओं को मिले अंतर्राष्ट्रीय अवसर

उत्तर प्रदेश में रोजगार सृजन को नई दिशा देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में अब इसे वैश्विक स्तर तक विस्तार देने की ठोस रणनीति अपनाई गई है। सरकार द्वारा प्रदेश के युवाओं को अब न केवल देश के भीतर, बल्कि विदेशों में भी रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में व्यापक कार्य किए जा रहे हैं। सेवायोजन निदेशालय के माध्यम से संचालित 'उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन' इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कड़ी बनकर उभरा है, जिसने राज्य के युवाओं के लिए अंतर्राष्ट्रीय अवसरों के द्वार खोल दिए हैं। उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के माध्यम से प्रदेश के युवाओं को विदेशों में रोजगार दिलाने की प्रक्रिया अब व्यवस्थित और संस्थागत रूप ले चुकी है। इस कार्य के लिए मिशन द्वारा विदेश मंत्रालय, भारत सरकार से आधिकारिक रिक्रूटिंग एजेंसी का लाइसेंस प्राप्त किया गया है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि विदेशों में रोजगार की प्रक्रिया सुरक्षित, पारदर्शी और विश्वसनीय तरीके से संचालित हो। प्रदेश के हजारों युवाओं को इजराइल जैसे देशों में निर्माण क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए हैं। लगभग 9000 निर्माण श्रमिकों का चयन किया गया, जिनमें से 6004 श्रमिक विदेशों में जा चुके हैं। इससे प्रदेश को प्रतिवर्ष लगभग 1400 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा रेमिटेंस की प्राप्ति होगी। जो राज्य की अर्थव्यवस्था को भी मजबूत करेगें। इसके अतिरिक्त, 1336 श्रमिकों को इजराइल भेजने की प्रक्रिया जारी है और फरवरी 2026 में भी 245 श्रमिकों का चयन किया गया है। इन श्रमिकों को आवश्यक औपचारिकताओं जैसे पुलिस वेरिफिकेशन और स्वास्थ्य परीक्षण के बाद विदेश भेजा जाएगा। रोजगार मिशन की पहल केवल निर्माण क्षेत्र तक सीमित नहीं है। वर्तमान में 5000 केयरगिवर्स को इजराइल और जापान में तथा 1000 नर्सों को जर्मनी में भेजने की प्रक्रिया चल रही है। प्रदेश सरकार द्वारा की गई पहल से उत्तर प्रदेश के युवाओं को स्वास्थ्य सेवाओं जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी अंतरराष्ट्रीय अवसर मिल रहे हैं। इसके अलावा प्रदेश के कुशल, अर्द्धकुशल एवं तकनीकी कामगारों को दुबई और ओमान जैसे देशों में लगभग 2000 अभ्यर्थियों का चयन विभिन्न कंपनियों द्वारा किया गया है। यह विविधता इस बात का संकेत है कि प्रदेश के युवाओं की मांग वैश्विक स्तर पर बढ़ रही है और वे विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बना रहे हैं। प्रदेश में रोजगार सृजन के लिए रोजगार मेलों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। सेवायोजन निदेशालय द्वारा आयोजित इन मेलों के माध्यम से निजी क्षेत्र में बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए गए हैं। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में 01 अप्रैल 2017 से 31 मार्च 2026 तक 13,698 रोजगार मेलों और कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से 17,26,163 अभ्यर्थियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए। प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित इन रोजगार मेलों ने युवाओं और नियोक्ताओं के बीच एक प्रभावी सेतु का कार्य किया है। रोजगार के साथ-साथ सही मार्गदर्शन भी उतना ही आवश्यक है। इसी उद्देश्य से प्रदेश के सेवायोजन कार्यालयों द्वारा बड़े पैमाने पर करियर काउंसलिंग कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। 01 अप्रैल 2017 से 31 मार्च 2026 तक 29,172 काउंसलिंग कार्यक्रमों में 33,11,737 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। इन कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को शिक्षा, प्रशिक्षण और रोजगार के विभिन्न विकल्पों की जानकारी दी गई, जिससे वे अपने कैरियर को सही दिशा में आगे बढ़ा सकें। रोजगार मिशन के तहत 'इंडस्ट्री कनेक्ट' कार्यक्रमों का आयोजन कर उद्योगों और युवाओं के बीच सीधा संवाद स्थापित किया जा रहा है। 22 अगस्त 2025 को ग्रेटर नोएडा में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न कंपनियों, शिक्षण संस्थानों और विभागीय अधिकारियों ने भाग लिया। इस तरह के कार्यक्रमों से उद्योगों की आवश्यकताओं और युवाओं के कौशल के बीच सामंजस्य स्थापित होता है, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ते हैं और स्किल गैप को कम करने में मदद मिलती है। प्रदेश में आयोजित रोजगार महाकुंभ कार्यक्रमों ने भी रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अगस्त 2025 में लखनऊ में आयोजित रोजगार महाकुंभ में 16,212 अभ्यर्थियों का चयन किया गया, जिनमें से 1612 युवाओं को यू0ए0ई और ओमान जैसे देशों में रोजगार के अवसर मिले है। इसी प्रकार गोरखपुर में आयोजित इंटरनेशनल प्लेसमेंट इवेंट और वाराणसी में आयोजित काशी सांसद रोजगार महाकुंभ में भी हजारों युवाओं का चयन हुआ। प्रदेश में रोजगार के अवसरों का दायरा लगातार बढ़ रहा है। वाराणसी में आयोजित इंटरनेशनल मोबिलिटी कॉनक्लेव में अंतर्राष्ट्रीय संगठनों, रिक्रूटिंग एजेंसियों और सरकारी प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस मंच पर सुरक्षित और नैतिक प्रवासन (म्जीपबंस डपहतंजपवद) पर विशेष चर्चा की गई। इसके अलावा यूरोपियन यूनियन के साथ संयुक्त कार्यशाला का आयोजन कर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को और मजबूत किया गया। इस प्रकार के प्रयास यह सुनिश्चित करते हैं कि प्रदेश के युवाओं को विदेशों में सुरक्षित और सम्मानजनक रोजगार मिले। महिलाओं को रोजगार के क्षेत्र में सशक्त बनाने के लिए 'पिंक रोजगार महाकुंभ' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 2765 महिला अभ्यर्थियों का चयन किया गया, जिनमें से 79 महिलाओं को विदेशों में रोजगार के अवसर मिले। यह पहल दर्शाती है कि योगी सरकार महिलाओं को भी वैश्विक रोजगार के अवसरों से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल द्वारा मुंबई और पुणे में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से देश के प्रमुख औद्योगिक संस्थानों और रिक्रूटिंग एजेंसियों से संवाद स्थापित किया गया। टाटा ऑटोकॉम्प सिस्टम्स और अन्य संस्थानों के साथ बैठकें कर युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों पर चर्चा की गई। साथ ही प्रशिक्षण संस्थानों के मॉडल का अध्ययन कर उन्हें उत्तर प्रदेश में लागू करने की संभावनाओं पर विचार किया गया।

मुंबई के खिलाफ डेब्यू मैच में चोटिल हुए थे, चेन्नई ने अब तक रिप्लेसमेंट नहीं चुना

सीएसके के ऑलराउंडर रामाकृष्णा घोष आईपीएल 2026 से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी

IPL 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) की मुश्किलें जारी हैं। टीम के बॉलिंग ऑलराउंडर रामाकृष्णा घोष चोट के कारण मौजूदा सीजन से बाहर हो गए हैं। घोष ने शनिवार (2 मई) को मुंबई इंडियंस के खिलाफ IPL डेब्यू किया था और शानदार प्रदर्शन किया था। चेन्नई सुपर किंग्स के आधिकारिक बयान के मुताबिक, घोष के दाहिने पैर में फ्रैक्चर है। यह चोट शनिवार को चेन्नई में मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच के दौरान लगी थी। फिलहाल फ्रेंचाइजी ने उनके रिप्लेसमेंट के नाम की घोषणा नहीं की है। चेन्नई सुपर किंग्स की टीम फिलहाल पॉइंट्स टेबल में छठे स्थान पर है। टीम ने अब तक खेले 9 मैचों में से 4 में जीत दर्ज की है, जबकि 5 मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा है।

2025 की नीलामी में 30 लाख में खरीदा था

घोष को CSK ने IPL 2025 की मेगा नीलामी में उनके बेस प्राइस 30 लाख रुपये में खरीदा था। पिछले सीजन में उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला था, लेकिन टीम ने भरोसा जताते हुए इस साल रिटेन किया। शनिवार को उन्हें पहली बार पीली जर्सी में मैदान पर उतरने का मौका मिला, लेकिन चोट ने उनका सीजन खत्म कर दिया।

डेब्यू मैच में सूर्या का विकेट लिया और शानदार कैच पकड़ा

महाराष्ट्र के मीडियम पेसर रामाकृष्णा घोष के लिए शनिवार का दिन सपने जैसा शुरू हुआ था। उन्होंने मैच की आठवीं गेंद पर पॉइंट बाउंड्री पर डाइविंग कैच लेकर मुंबई के ओपनर विल जैक्स को पवेलियन भेजा। इसके बाद गेंदबाजी में अपनी शॉर्ट पिच गेंद से दुनिया के नंबर-1 टी20 बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को आउट किया। घोष ने 133 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर सभी को प्रभावित किया था।

आयुष हैदराबाद के खिलाफ बैटिंग के समय चोटिल हुए थे।

चेन्नई के चार खिलाड़ी अब तक हो चुके हैं बाहर

मौजूदा सीजन में खिलाड़ियों की चोट ने CSK की प्लानिंग बिगाड़ दी है। रामाकृष्णा घोष इस सीजन में बाहर होने वाले चेन्नई के चौथे खिलाड़ी और तीसरे तेज गेंदबाज हैं। उनसे पहले नाथन एलिस, आयुष म्हात्रे और खलील अहमद भी चोट के कारण टूर्नामेंट से हट चुके हैं। लगातार गेंदबाजों के बाहर होने से कप्तान ऋतुराज गायकवाड के पास गेंदबाजी विकल्प कम होते जा रहे हैं।

बास्केटबॉल दिग्गज कोबे ब्रायंट की सफलता का सीक्रेट

आंख खुलते ही फोन देखने की बजाय 15 मिनट शांत बैठें, मेमोरी बढ़ेगी, तनाव दूर होगा

नई दिल्ली, एजेंसी

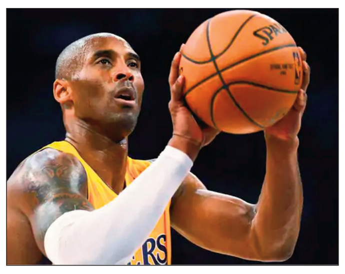

भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अक्सर खुद के लिए समय नहीं निकाल पाते। ऐसे में दिवंगत बास्केटबॉल खिलाड़ी कोबे ब्रायंट की दिनचर्या की एक आसान आदत हमारे लिए बेहद काम की हो सकती है। अपनी आक्रामक खेल शैली और जीतने की जिद के लिए मशहूर कोबे का अभ्यास सुबह 4 बजे ही शुरू हो जाता था। लेकिन इस कड़े रूटीन के बीच उनका एक खास नियम था, जिसने उन्हें मानसिक रूप से अभेद्य बनाया था। अमेरिका के कोबे हर सुबह उठने के बाद कम से कम 15 मिनट एक जगह बिल्कुल शांत बैठकर ध्यान लगाते थे। उनके लिए यह मौन शारीरिक कसरत जितना ही महत्वपूर्ण था। कोबे मानते थे कि सुबह की 15 मिनट की यह शांति उनके पूरे दिन की नींव तय करती है। यह उन्हें दिनभर मानसिक रूप से स्थिर रखती। इसके बिना उन्हें लगता था कि वे बस काम और तनाव के पीछे भाग रहे हैं। इस मौन के अभ्यास से वे अपने दिन को खुद नियंत्रित कर पाते थे। रात को बड़े मैचों से पहले भी वे इसी तरह शांत बैठकर चुनौतियों की कल्पना करते और मानसिक रूप से खुद को तैयार करते थे। मनोविज्ञान में इस अभ्यास को 'टाइप 2 फन' कहा जाता है। शुरुआत में 15-20 मिनट बिना मोबाइल या किसी बाहरी रुकावट के चुपचाप बैठना उबाऊ और बेचैन करने वाला लग सकता है। लेकिन आदत बनने पर यह गहरी संतुष्टि देता है। जब इंसान बिल्कुल शांत बैठता है, तो दिमाग में वो बातें और भावनाएं आने लगती हैं, जिन्हें वह दिनभर की भागदौड़ में नजरअंदाज कर देता है- जैसे शरीर का कोई पुराना दर्द, या अटका हुआ काम। खाली बैठकर हम विचारों से भागने के बजाय उनका सामना करना सीखते हैं। कोबे भी मानते थे कि डर या घबराहट को दबाने से वे बढ़ती हैं, जबकि शांत बैठकर उन्हें स्वीकार करने से नकारात्मक प्रभाव खत्म हो जाता है। ड्यूक यूनिवर्सिटी के अध्ययन के अनुसार, दिन में कुछ देर की गहरी शांति दिमाग के 'हिप्पोकैम्पस' हिस्से में नई कोशिकाओं को जन्म देने में मदद करती है, जो याददाश्त और सीखने की क्षमता से जुड़ा है। इयरफोन लगाकर टहलने और एक जगह स्थिर बैठकर शांति का अनुभव करने में बड़ा अंतर है। स्थिरता में हमारा दिमाग खुद को रिपेयर करके री-स्टोर मोड में चला जाता है, जबकि चलते या कुछ सुनते समय वह प्रतिक्रियाओं में उलझा रहता है।

फास्ट न्यूज

आयुष्मान की फिल्म पर लगे चीटिंग दिखाने के आरोप

नई दिल्ली। आयुष्मान खुराना की अपकमिंग फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' का ट्रेलर रिलीज होते ही विवादों में आ गया है। सोशल मीडिया पर फिल्म पर शादी में धोखाधड़ी को बढ़ावा देने और इसे मजेदार तरीके से दिखाने के आरोप लग रहे हैं। हालांकि, अब ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान आयुष्मान खुराना और रकुल प्रीत सिंह ने इन आरोपों का जवाब दिया है।

फिल्म वाराणसी के मेकर्स की बढ़ीं मुश्किलें

मुंबई। एसएस राजामौली की मोस्ट अवेटेड फिल्म वाराणसी की शूटिंग में दिक्कतें आ सकती हैं। इस फिल्म की शूटिंग हैदराबाद फिल्मसिटी में चल रही है। फिल्म के कुछ सीन के लिए मेकर्स को एक तालाब बनाना था, जिसके लिए उन्हें हजार लीटर पानी चाहिए था, लेकिन अब जल आपूर्ति बोर्ड ने इससे इनकार कर दिया है।फिल्म वाराणसी की प्रोडक्शन कंपनी श्री दुर्गा आर्ट्स ने हाल ही राजेंद्रनगर के गगनपहाड़ स्थित फिल्मसिटी में तालाब बनाने के लिए हैदराबाद महानगर जल आपूर्ति एवं सीवरेज बोर्ड को एक लेटर लिखकर 150 वॉटर टैंकर की मांग की थी। प्रोडक्शन द्वारा बोर्ड के प्रबंध निदेशक अशोक रेड्डी को लिए गए लेटर में कहा गया था कि पानी के लिए कंपनी उन्हें टैंकर का किराया भी देगी। हालांकि बोर्ड द्वारा लेटर को रिजेक्ट कर दिया गया है।

अमेरिका-ईरान शांति वार्ता पर टिकी निवेशकों की नजर

सोमवार 4 मई को जब बाजार खुलेगा तो निवेशकों की नजर अमेरिका-ईरान के बीच शांति वार्ता पर रहेगी। इसके अलावा टाटा टेक और बीएचईएल जैसी कंपनियों के चौथी तिमाही के नतीजों से लेकर विदेशी निवेशकों की खरीद-बिक्री जैसे फैक्टर्स भी बाजार की चाल तय करेंगे। भारतीय शेयर बाजार के लिए पिछला हफ्ता भारी उतार-चढ़ाव वाला रहा। गुरुवार को सेंसेक्स और निफ्टी में 0.7% से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई थी।

फेक वीडियो फैलाने वालों पर भड़के राहुल रॉय

कहा- सड़कों पर रहने वाला लावारिस नहीं, मेरे पास घर-गाड़ी है

मुबंई। वायरल वीडियो से सुर्खियों में आए राहुल रॉय को लगातार ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है। एक्टर वीडियो पर सफाई दे चुके हैं, इसके बावजूद कई लोग उनका मजाक उड़ा रहे हैं। अब कुछ लोगों ने एक्टर की आर्थिक मदद करने के नाम पर कुछ फेक वीडियो बनाने भी शुरू कर दिए हैं। ये देख एक्टर भड़क गए। उन्होंने हेटर्स और ट्रोलर्स को फटकार लगाते हुए फिर एक बेबाक बयान दिया है। फेक वीडियोज सामने आने पर राहुल रॉय ने भड़कते हुए ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट से लिखा है- आप सभी का धन्यवाद, जिन्होंने मुझ पर अपना प्यार और समर्थन बरसाया। यह मैसेज मेरे सभी हेटर्स, ट्रोलर्स और फेक वीडियो बनाने वालों के लिए है। मैं सुरक्षित हूं और मेरी अच्छी तरह देखभाल मेरी बहन प्रियंका और जीजा रोमीर सेन कर रहे हैं। मैं अपनी बहन के घर मड में रहता हूं। हमारा बहुत प्यारा घर है, और वह मुझसे बहुत प्यार करती हैं, जिससे मैं खुद को दुनिया का सबसे खुशकिस्मत भाई मानता हूं। आगे एक्टर ने लिखा, 'मेरा जुड़वां भाई कनाडा में रहता है रोहिन रॉय। दुर्भाग्यवश, उनके काम के दबाव के कारण मैं उनसे लगभग 9 साल से नहीं मिल पाया हूं। मेरे पास कपड़े हैं, जूते हैं, खाना है, गाड़ी है, मैं कोई सड़क पर छोड़ा हुआ लावारिस व्यक्ति नहीं हूं। जिस तरह के फेक वीडियो सामने आ रहे हैं, वे बिल्कुल सच नहीं हैं। मेरी बहन और जीजा ने मुझे हर चीज मुहैया कराई है। कृपया उनकी शांति भंग न करें, क्योंकि वही मेरे लिए सबसे अहम हैं।'

मां बनने के बाद कटरीना कैफ की पहली पब्लिक अपीयरेंस

पति विक्की कौशल के साथ ब्लैक आउटफिट में स्पॉट हुईं

मुबंई। बॉलीवुड एक्ट्रेस कटरीना कैफ ने मां बनने के बाद पहली बार पब्लिक अपीयरेंस दी। वो पति विक्की कौशल के साथ ऑल ब्लैक आउटफिट में स्पॉट हुई हैं। नवंबर में बेटे विहान को जन्म देने के बाद से ही कटरीना कैफ लाइमलाइट से दूर हैं। वो तब से ही पैपराजी की नजरों से बचती दिखती हैं। लेकिन रविवार को उन्हें मुंबई में विक्की के साथ स्पॉट किया गया। इस दौरान कटरीना कैफ ने ऑल ब्लैक आइटफिट कैरी किया। कटरीना ने ब्लैक ओवरकोट के साथ जेगिंग्स, स्पोर्ट्स शूज और डार्क सनग्लासेस से लुक कंप्लीट किया है। विक्की कौशल ने ब्लैक बैगी पेंट, टी-शर्ट और ब्राउन जैकेट के साथ कैप पहनकर लुक पूरा किया। इससे पहले भी कटरीना कैफ को मुंबई में स्पॉट किया गया था। तब वो कैमरों की नजरों से बचती दिखी थीं। हालांकि कार में बैठने के बाद उन्होंने कैमरों की तरफ देखकर वेव जरूर किया था। तब उन्होंने मास्क से चेहरा पूरी तरह छिपा रखा था। कटरीना कैफ ने 7 नवंबर को बेटे को जन्म दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी आधिकारिक घोषणा करते हुए लिखा था, हमारी खुशियों का पिटारा आ गया है। बहुत सारे प्यार आभार के साथ हम अपने बेटे का स्वागत करते हैं। 7 नवंबर 2025। कटरीना और विक्की।

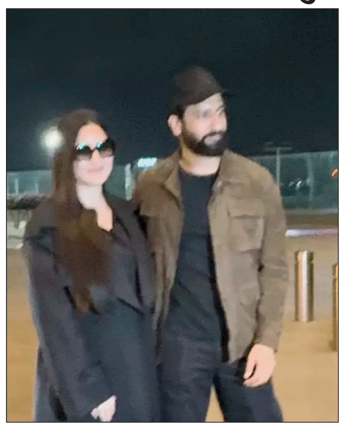

सगाई तोड़ी, डायरेक्टर ने कहा था- ये घर में रहे तो अच्छा, मिस चेन्नई जीत बनीं एक्ट्रेस

43 की हुई तृषा कृष्णन

> सगाई टूटने के बाद इंडिया ग्लिट्स तमिल को दिए इंटरव्यू में तृषा ने कहा था, मैं तलाक पर विश्वास नहीं करती। मैं कई ऐसे शादीशुदा जोड़ों को जानती हूं जो गलत कारणों से रिश्ते में हैं। वो बेहद नाखुश हैं।

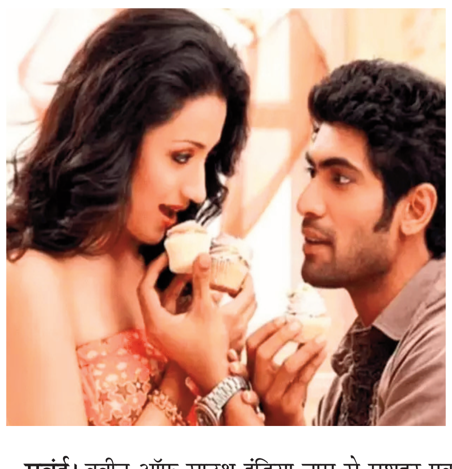

फिल्में छोड़ने की शर्त रखी तो सगाई के बावजूद तोड़ दी शादी

साउथ इंडस्ट्री में कामयाबी हासिल करने के बाद 23 जनरी 2015 में तृषा कृष्णन की सगाई बिजनेसमैन वरुण मनियन से हुई थी। लेकिन कुछ दिनों बाद ही ये सगाई टूट गई। साउथ मीडिया पोर्टल मनोरमा को दिए इंटरव्यू में तृषा ने सगाई टूटने पर कहा था, मैं जिस इंसान से शादी करना चाहती थी, उसने मेरे सामने एक्टिंग छोड़ने की शर्त रखी थी तो मैंने सगाई तोड़ दी। मैं सिर्फ तब ही फिल्मों से ब्रेक लूंगी, जब मैं प्रेग्नेंट रहूं। अगर मुझे लीड रोल न मिलें, तो मैं कैरेक्टर रोल करूंगी, लेकिन मैं आखिरी सांस तक एक्टिंग करूंगी।

मुबंई। क्वीन ऑफ साउथ इंडिया नाम से मशहूर एक्ट्रेस तृषा कृष्णन आज 43 साल की हो चुकी हैं। तमिल और तेलुगु सिनेमा की हाईएस्ट पेड एक्ट्रेस में शामिल तृषा इन दिनों साउथ सुपरस्टार थलापति विजय से नाम जुड़ने से चर्चा में हैं। दोनों करीब 5 फिल्मों में साथ नजर आए हैं, जिनमें से 2023 में रिलीज हुई सुपरहिट फिल्म लियो भी शामिल है। थलापति विजय ने हाल ही में तलाक अनाउंस कर तृषा के साथ पब्लिक अपीयरेंस दी, जिससे अफेयर की चर्चा और बढ़ गईं। वहीं विजय की पूर्व पत्नी ने भी उन पर एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर का आरोप लगाया था।तृषा कृष्णन मिस चेन्नई जीतने के बाद साउथ इंडस्ट्री से जुड़ी थीं। करियर की शुरुआत में वो फाल्गुनी पाठक के सुपरहिट म्यूजिक एल्बम के गाने 'मेरी चूनर उड़-उड़ जाए' में नजर आई थीं।

तलाक के ठीक बाद एक्ट्रेस के साथ दी पब्लिक अपीयरेंस

थलापति विजय के तलाक के ठीक बाद वो तृषा कृष्णन के साथ एक हाईप्रो-फाइल वेडिंग में पहुंचे। ये दोनों की पहली पब्लिक अपीयरेंस थी। कई लोगों का मानना था कि तलाक के बाद दोनों ने रिश्ता ऑफिशियल कर दिया है। इसी बीच विजय के बॉडीगार्ड ने एक पोस्ट शेयर की जिसमें लिखा था, अब अफवाहें क्लियर करने का समय आ चुका है।
साउथ मीडिया पोर्टल की रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है।

> वीडियो सामने आने के बाद तृषा ने डायरेक्टर के आपत्तिजनक बयान पर सोशल मीडिया पर लिखा- मेरी तस्वीर और नाम एक असिस्टेंट के कहने पर आखिरी समय पर उस इवेंट में इस्तेमाल किया गया। माइक पर बोलने से कोई बात समझदारी नहीं बनती, बेवकूफी ही रहती है। ऐसी बातें कहने वाले के बारे में ज्यादा बताती हैं, न कि जिसके बारे में कहा गया है।

कभी कहा था तलाक पर विश्वास नहीं करती, फिर लगे तलाक करवाने के आरोप

इसके बाद तृषा का नाम बाहुबली एक्टर राणा दग्गूबाती से जुड़ा। दोनों कुछ सालों तक रिलेशनशिप में रहे, लेकिन फिर दोनों का ब्रेकअप हो गया। हालांकि दोनों ब्रेकअप के बाद भी दोस्त रहे। याचिका में संगीता ने आरोप लगाया कि थलापति विजय का 2021 से एक्ट्रेस से एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर है, जिससे उनका रिश्ता बिगड़ने लगा। विजय ने उन्हें भरोसा दिलाया कि वो एक्ट्रेस से रिश्ता खत्म कर लेंगे, लेकिन बार-बार मौका दिए जाने के बावजूद उन्होंने ऐसा नहीं किया। वो लगातार उस एक्ट्रेस के साथ ट्रिप पर जाते रहे, जिसकी तस्वीरें सामने आती रहती हैं। इन तस्वीरों के सामने आने से उन्हें अपमान महसूस हुआ। इसके अलावा विजय ने उनकी जिम्मेदारी उठाना भी लगभग बंद कर दिया, जिसके बाद उन्होंने तलाक का फैसला किया।

समुद्र में जहाज पर चूहों वाला वायरस फैला

हंतावायरस से 3 की मौत, अफ्रीका तट पर जहाज रोका गया, यात्रियों को उतरने की इजाजत नहीं

प्राया, एजेंसी

अटलांटिक महासागर में एक क्रूज शिप पर चूहों वाले वायरल (हंतावायरस) संक्रमण का मामला सामने आया है। इसमें तीन लोगों की मौत हो गई है और कम से कम तीन लोग बीमार हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) और दक्षिण अफ्रीका स्वास्थ्य विभाग ने रविवार को इसकी पुष्टि की। MV होंडियस नाम के इस क्रूजशिप को फिलहाल अफ्रीकी देश केप वर्डे की राजधानी प्राया में रोका गया है। अभी यात्रियों को उतरने की अनुमति नहीं मिली है। यह फैसला इसलिए लिया गया है ताकि संक्रमण फैलने के खतरे को नियंत्रित किया जा सके। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, जहाज पर 6 लोगों में संक्रमण जैसे लक्षण मिले हैं। इनमें से एक मामले की पुष्टि लैब में हो चुकी है। एक मरीज दक्षिण अफ्रीका के अस्पताल में आईसीयू में भर्ती है, जबकि दो को जहाज से निकालने की तैयारी की जा रही है। यह भी अभी पता नहीं है कि सभी बीमार लोग हंतावायरस से संक्रमित हैं या नहीं। यह बीमारी आखिर कैसे और कहां से फैली है, इसकी जांच चल रही है। नीदरलैंड के झंडे वाला यह क्रूज शिप 20 मार्च को अर्जेंटीना के उशुआइया से रवाना हुआ था। इसके बाद यह दक्षिणी ध्रुव के आसपास के इलाकों में गया और फिर अटलांटिक पार करते हुए यूरोप की ओर बढ़ रहा था। इसे सबसे आखिर में स्पेन के कैनरी द्वीप तक पहुंचना था, जो अफ्रीका के पास अटलांटिक में स्थित एक प्रमुख पर्यटन क्षेत्र है। जहाज में कुल 170 यात्री और 71 क्रू सदस्य मौजूद हैं। इनमें एक डॉक्टर भी शामिल है। पहला मृतक 70 साल का एक व्यक्ति था।

3 तरीके से फैलता है हंतावायरस

- **पहला :** अगर वायरस का वाहक चूहा किसी इंसान को काट ले, हालांकि ऐसे मामले कम ही सामने आते हैं।
- **दूसरा :** किसी जगह या चीज पर मौजूद चूहे का मल-मूत्र या लार के संपर्क में इंसान आता है और अपने नाक-मुंह को छूता है।
- **तीसरा :** अगर इंसान ऐसी चीज खाता है जिस पर चूहे का मल-मूत्र या लार मौजूद हो।

चूहों के संपर्क में आने से फैलता है हंतावायरस

सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल के मुताबिक, हंतावायरस व्यक्ति के चूहे या गिलहरी के संपर्क में इंसान के आने से फैलता है। यह मुख्य रूप से चूहों में होता है। इसके कारण चूहों में कोई बीमारी नहीं होती, लेकिन इंसानों की मौत हो जाती है। हंतावायरस का 1993 में पहली बार पता चला था। तब अमेरिका में एक कपल संक्रमित होने के कारण मर गया था। इसके बाद कुछ ही महीनों में इस बीमारी से 600 लोगों की मौत हो गई थी।

सोना 2000 सस्ता, 10 ग्राम की कीमत 1.48 लाख

नई दिल्ली। सोने के दाम में आज यानी 4 मई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,906 रुपए गिरकर 1.48 लाख रुपए पर आ गया है। इससे पहले इसकी कीमत 1.50 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं चांदी की कीमत में तेजी देखने को मिल रही है। एक किलो चांदी 3,906 रुपए बढ़कर 2.44 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले 30 अप्रैल को इसकी कीमत 2.40 लाख रुपए प्रति किलो थी। 2026 में सोना अब तक 15 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.48 लाख रुपए पर पहुंच गया है। इस साल चांदी 14 हजार रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब बढ़कर 2.44 लाख रुपए पर पहुंच गई है। सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें: हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524।

भारतीय यात्री लिपुलेख से मानसरोवर न जाएं : नेपाल

ये हमारा इलाका, भारत बोला- नेपाल के दावे का कोई ऐतिहासिक प्रमाण नहीं

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल सरकार ने भारतीय तीर्थयात्रियों से लिपुलेख के रास्ते कैलाश मानसरोवर यात्रा न करने की अपील की है। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने रविवार को बयान जारी कर कहा कि 1816 की सुगौली संधि के मुताबिक लिम्पियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी क्षेत्र नेपाल का हिस्सा है। सरकार ने कहा कि लिपुलेख के रास्ते प्रस्तावित कैलाश मानसरोवर यात्रा को लेकर उसने भारत और चीन दोनों को डिप्लोमैटिक तरीके से अपनी आपत्ति और चिंता से अवगत करा दिया है। नेपाल ने यह भी बताया कि वह पहले भी भारत से इस इलाके में सड़क निर्माण, व्यापार और पर्यटन जैसी एक्टिविटी न करने की अपील करता रहा है। नेपाल ने चीन को भी आधिकारिक तौर पर यह जानकारी दी है कि लिपुलेख उसका हिस्सा है। भारत, नेपाल और चीन सीमा से लगे इस इलाके में हिमालय की नदियों से मिलकर बनी एक घाटी है, जो नेपाल और भारत में बहने वाली काली या महाकाली नदी का उद्गम स्थल है। इस इलाके को कालापानी भी कहते हैं। यहीं पर लिपुलेख दर्रा भी है। यहां से उत्तर-पश्चिम की तरफ कुछ दूरी पर एक और दर्रा है, जिसे लिंपियाधुरा कहते हैं। अंग्रेजों और नेपाल के गोरखा राजा के बीच 1816 में हुए सुगौली समझौते में काली नदी के जरिए भारत और नेपाल के बीच सीमा तय की थी। समझौते के तहत काली नदी के पश्चिमी क्षेत्र को भारत का इलाका माना गया, जबकि नदी के पूर्व में पड़ने वाला इलाका नेपाल का हो गया। काली नदी के उद्गम स्थल, यानी ये सबसे पहले कहां से निकलती है, इसे लेकर दोनों देशों के बीच विवाद रहा है। भारत पूर्वी धारा को काली नदी का उद्गम मानता है। वहीं नेपाल पश्चिमी धारा को उद्गम धारा मानता है और इसी आधार पर दोनों देश कालापानी के इलाके पर अपना-अपना दावा करते हैं।

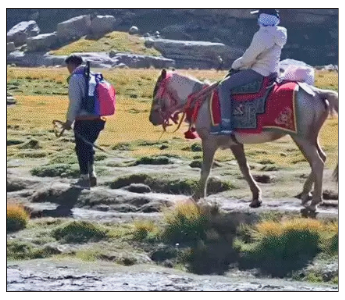

कार ने सड़क पर खड़े लोगों को रौंदा...8 की मौत

अंबेडकरनगर में बाइक सवार घायलों की मदद कर रहे थे, तभी कार ने कुचल दिया

तमसा संकेत, एजेंसी

अम्बेडकरनगर। यूपी के अंबेडकरनगर में बेकाबू कार ने सड़क पर खड़े लोगों को रौंद दिया। हादसे में दो सगे भाइयों समेत 8 लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि रविवार रात करीब 12 बजे पहले दो बाइकों की टक्कर हुई, जिसमें दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोग घायलों की मदद के लिए मौके पर पहुंचे और उन्हें अस्पताल पहुंचाने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान बेकाबू स्विफ्ट डिजायर कार आई और लोगों को कुचल दिया। हादसा जिला मुख्यालय से 17 किमी दूर जलालपुर के अशरफपुर भुवा भट्ठे के पास हुआ। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने लोगों की मदद से सभी घायलों को सीएचसी जलालपुर पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने 6 लोगों को मृत घोषित कर दिया। दो घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया। बाद में

उन्हें टांडा मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहां इलाज के दौरान उनकी भी मौत हो गई। मृतकों की पहचान अंबेडकरनगर के रहने वाले कैफी (32), उत्तम कुमार (24), आदित्य कुमार (25), दिव्यांशू (22) लालचंद (24), राजू गुप्ता (32), साहिल (28) और इंद्रेश (30) के रूप में हुई है। आदित्य कुमार और दिव्यांशू दोनों सगे भाई हैं। चीख-पुकार सुनकर आसपास मौजूद 5 लोग मदद के लिए दौड़े। घायलों को उठाकर किनारे ले जाने लगे। तभी एक तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार बेकाबू हो गई और लोगों को कुचलते हुए कुछ दूरी पर एक गड्ढे में पलट गई। कार सवार मौके से फरार हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

6 मृतकों की पहचान हुई, 2 की बाकी

सूचना पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों ने राहत कार्य शुरू किया। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां 8 लोगों की मौत हो गई। इनमें बाइक सवार कैफी, आदित्य और दिव्यांश शामिल हैं। इसके अलावा उनकी मदद के लिए आए लालचंद्र (24) पुत्र फेंकू निवासी पट्टी मुइथन, जलालपुर; उत्तम पुत्र जगतपाल निवासी सेमरा, कटका; राजू (32) पुत्र छेदीलाल निवासी सिकंदरपुर, सम्मनपुर और साहिल (28) व इंद्रेश (30) को भी डॉक्टर्स ने मृत घोषित कर दिया।

रात 12 बजे 2 बाइकों की टक्कर

जलालपुर कोतवाली क्षेत्र में अकबरपुर मार्ग पर अशरफपुर के पास देर रात करीब 12 बजे दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने से भिड़ंत में 3 लोग घायल हो गए। भिड़ंत में बुलेट सवार कैफी पुत्र हसन निवासी लोरपुर ताजन और स्प्लेंडर सवार सम्मनपुर क्षेत्र के जैनापुर निवासी दो सगे भाई आदित्य (25) और दिव्यांशु (14) को गंभीर चोटें आईं। दोनों भाई जलालपुर शादी समारोह से लौट रहे थे।

अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी डॉ. तेजवीर सिंह ने बताया- सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है।

हादसे में इनकी हुई मौत

- *घटना की सूचना पर परिजन अस्पताल पहुंचे। शवों को देखकर परिजनों का रोरोकर बुरा हाल है।*
- *पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा और प्रत्यक्षदर्शियों से हादसे के बारे में जानकारी ली।*

लखनऊ विश्वविद्यालय में फीस बढ़ोतरी पर बवाल

सड़क पर बैठे छात्र बोले- नहीं मानी बात, तो होगा बड़ा आंदोलन

- लखनऊ विश्वविद्यालय में फीस वृद्धि को लेकर छात्रों ने प्रदर्शन किया।
- प्रदर्शन के दौरान छात्रों की चीफ प्रॉक्टर राकेश द्विवेदी के साथ तीखी नोकझोंक भी हुई।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में फीस वृद्धि को लेकर सोमवार को छात्रों ने एक बार फिर प्रदर्शन किया। छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन और कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान 'वीसी मुर्दाबाद' और 'फीस वापस लो' जैसे नारे लगाए गए। छात्र तख्तियां लेकर सड़क पर बैठ गए और धरना दिया। इस दौरान छात्रों ने कहा फीस वापसी का निर्णय नहीं लिया तो बड़ा आंदोलन होगा। युवजन सभा के प्रिंस ने कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन को 6 दिन का अल्टीमेटम दिया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर फीस वापस का फैसला नहीं लिया गया, तो बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा। प्रिंस ने बताया कि उनकी दो प्रमुख मांगें हैं। पहली, पुराना फीस स्ट्रक्चर लागू किया जाए। दूसरी, आंदोलन में शामिल छात्रों पर दर्ज मुकदमे वापस लिए जाएं और निलंबन बहाल किया जाए। उन्होंने कहा कि छात्र अपराधी नहीं हैं, उन्हें पढ़ने का अधिकार मिलना चाहिए। मौके पर प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सदस्य पहुंचे और छात्रों को शांत कराने की कोशिश की।

फास्ट न्यूज

खून से लथपथ युवक चिल्लाया- भाई साहब बचा लो

जालौन। जालौन में 100 की रफ्तार में टवेरा कार हाईवे पर पीछे से ट्रक में घुस गई। हादसे में 7 श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 3 गंभीर रूप से घायल हैं। टवेरा सवार अयोध्या से रामलला के दर्शन कर ललितपुर जा रहे थे। हादसा इतना भयानक था कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार लोग फंस गए। 30 मिनट तक कार में तड़पते रहे। इसका वीडियो सामने आया है।

लखनऊ में तूफान, दोनों डिप्टी सीएम की इमरजेंसी लैंडिंग

लखनऊ। लखनऊ में खराब मौसम के बीच दिल्ली से आ रही इंडिगो की फ्लाइट 6E-6476 को भोपाल डायवर्ट कर दिया गया। इसमें यूपी के दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक सवार थे। लखनऊ एयरपोर्ट पर तीन बार लैंडिंग की कोशिश फेल होने के बाद विमान को भोपाल भेजा गया। दोनों डिप्टी सीएम भोपाल में सुरक्षित उतरे। दिल्ली से रोजाना सुबह 7:20 रवाना होने वाली इंडिगो की यह फ्लाइट सोमवार सुबह 8:02 बजे रवाना हुई। इसे यहां 8:30 बजे लखनऊ लैंड होना रहता है। सोमवार को करीब 9:10 लखनऊ के आसमान में पहुंचने पर इसे लैंडिंग की अनुमति नहीं मिली। फ्लाइट लखनऊ एयरपोर्ट पर आसमान में काफी देर तक चक्कर काटती रही। इस दौरान 3 बार लैंडिंग की कोशिश की लेकिन हर बार कोशिश फेल हुई।

महिला की संदिग्ध हालत में मौत

संभल। संभल में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मायके पक्ष ने महिला के पति और अन्य ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। यह घटना संभल कोतवाली क्षेत्र के करेली गांव की है। मृतक महिला की पहचान 35 वर्षीय सीमा गिरी के रूप में हुई है।

गोबर आधारित कम्पोस्ट व बायोगैस को बढ़ावा दे रही है योगी सरकार

गौशालाओं को बनाएं आत्मनिर्भर उत्पादन केंद्र : पशुपालन मंत्री धर्मपाल सिंह

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के पशुपालन मंत्री धर्मपाल सिंह ने सोमवार को विधानसभा स्थित समिति कक्ष 44 ख में पशुपालन विभाग एवं कृषि विभाग के साथ उच्चस्तरीय बैठक कर गोबर से कम्पोस्ट, बायोगैस, जीवामृत एवं घनामृत के उत्पादन, उपयोग और विपणन को लेकर व्यापक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। बैठक में मंत्री सिंह ने कहा कि योगी सरकार की प्राथमिकता किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ मिट्टी की उर्वरता को पुनर्स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में उपलब्ध गोबर संसाधनों का वैज्ञानिक उपयोग कर बड़े पैमाने पर जैविक खाद का उत्पादन संभव है और इसके माध्यम से रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम की जा सकती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रदेश की गौशालाओं को उत्पादन केंद्र के रूप

में विकसित करते हुए उन्हें कम्पोस्ट, जीवामृत एवं अन्य जैविक उत्पादों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाया जाए। मंत्री सिंह ने कहा कि प्रदेश में अनुमानित रूप से लाखों मीट्रिक टन कम्पोस्ट उत्पादन की क्षमता मौजूद है, जिसके लिए गोशालाओं, डेयरी इकाइयों और किसानों के स्तर पर समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने झांसी, चंदौली, फर्रुखाबाद, कानपुर और बाराबंकी जैसे जनपदों में संचालित सफल बायोगैस एवं जैविक खाद मॉडलों का उल्लेख करते हुए निर्देश दिए कि इन मॉडलों का अध्ययन कर प्रदेशव्यापी विस्तार सुनिश्चित किया जाए। बैठक में कम्प्रेस्ड बायोगैस (CBG) संयंत्रों के विस्तार, गोबर गैस प्लांट्स की स्थापना तथा कृषि अपशिष्ट के समुचित उपयोग पर भी विस्तृत चर्चा हुई। मंत्री ने कहा कि बायोगैस से न केवल ऊर्जा की उपलब्धता बढ़ेगी बल्कि उससे निकलने वाला स्लरी (जैविक खाद) खेतों के लिए अत्यंत उपयोगी होगा, जिससे किसानों को दोहरा लाभ मिलेगा। मंत्री धर्मपाल सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गोबर आधारित खाद की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए उसका मानकीकरण (स्टैंडर्डाइजेशन) किया जाए।

15 मई से विशेष अभियान, अधिक से अधिक किसानों को केसीसी से जोड़ने की तैयारी

केसीसी व फसल बीमा योजनाओं में तेजी के निर्देश, योगी सरकार का किसानों पर फोकस

- एनपीए खातों के निस्तारण पर जोर, बैंकों को सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश
- कृषि निवेश बढ़ाने पर जोर, योजनाओं में बैंकिंग सहयोग तेज करने के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊः प्रदेश के कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने सोमवार को विधानसभा स्थित समिति कक्ष सं0-44-ख में केसीसी (किसान क्रेडिट कार्ड) एवं प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों और बैंकों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। बैठक में मंत्री शाही ने कहा कि योगी सरकार किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि किसान क्रेडिट कार्ड और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना किसानों के लिए बेहद महत्वपूर्ण योजनाएं हैं, जिनका लाभ हर पात्र किसान तक पहुंचना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थियों के डाटा का उपयोग करते हुए यह सुनिश्चित किया जाए कि अधिक से अधिक किसानों को केसीसी से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि विभागीय पोर्टलों पर फार्मर आईडी का प्रभावी उपयोग कर योजनाओं के बीच समन्वय स्थापित किया जाए, ताकि पात्र किसानों की पहचान कर उन्हें लाभान्वित किया जा सके। समीक्षा के दौरान यह जानकारी दी गई कि प्रदेश में बड़ी संख्या में केसीसी खातों का नवीनीकरण लंबित है तथा कई खाते एनपीए (नॉन-परफॉर्मिंग एसेट) की श्रेणी में चले गए हैं। इस पर मंत्री शाही ने निर्देश दिए कि बैंक एवं विभाग संयुक्त रूप से अभियान चलाकर किसानों को समय से ऋण अदायगी के लिए प्रेरित करें तथा लंबित खातों को नियमित किया जाए। उन्होंने कहा कि 15 मई से विशेष अभियान चलाकर नए केसीसी जारी किए जाएं और अधिक से अधिक किसानों को इससे जोड़ा जाए। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की समीक्षा करते हुए मंत्री ने कहा कि जिन किसानों का प्रीमियम काटा गया है, उनका बीमा सुनिश्चित रूप से किया जाए और इसका पारदर्शी रिकॉर्ड उपलब्ध कराया जाए।

मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि किसानों को यह जानकारी दी जानी चाहिए कि समय पर ऋण भुगतान करने पर ब्याज दर में राहत मिलती है। उन्होंने बैंकों को निर्देशित किया कि शाखा स्तर पर जागरूकता बढ़ाई जाए, नोटिस बोर्ड लगाए जाएं तथा किसानों से सीधे संपर्क कर उन्हें समय से भुगतान के लाभ बताए जाएं।

बंगाल विजय की सूत्रधार बनीं बबिता तिवारी, महिला मोर्चा ने दिलाई भाजपा को निर्णायक बढ़त

बंगाल में गूंजा सुल्तानपुर का नाम, बबिता तिवारी बनीं जीत की पहचान

तमसा संकेत, संवाददाता

सुल्तानपुर। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान भारतीय जनता पार्टी के चुनावी अभियान में एक नाम लगातार चर्चा का केंद्र बना रहा—वरिष्ठ भाजपा नेत्री बबिता अखिलेश तिवारी। अपनी रणनीतिक सोच, जमीनी पकड़ और निरंतर सक्रियता के चलते उन्होंने चुनावी माहौल में ऐसा प्रभाव छोड़ा, जिसकी गूंज अब राजनीतिक गलियारों से लेकर संगठन के शीर्ष नेतृत्व तक सुनाई दे रही है। काशी क्षेत्र महिला मोर्चा की क्षेत्रीय महामंत्री के रूप में कार्य करते हुए बबिता तिवारी ने न केवल अपने दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया, बल्कि चुनावी अभियान को नई दिशा और धार देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। चुनाव के दौरान उनकी कार्यशैली में स्पष्टता, ऊर्जा और संगठनात्मक कौशल साफ नजर आया। चुनाव के दौरान बबिता तिवारी ने गांव-गांव जाकर आम लोगों से सीधे संवाद स्थापित किया। उन्होंने

स्थानीय मुद्दों को नजदीक से समझने की कोशिश की और जनता के सामने समाधान की ठोस रूपरेखा भी प्रस्तुत की। ग्रामीण क्षेत्रों में उनकी सक्रियता ने भाजपा के पक्ष में माहौल बनाने में अहम योगदान दिया।वहीं, शहरी इलाकों में उनके नेतृत्व में निकाले गए रोड शो और जनसभाओं ने पार्टी के प्रचार अभियान को नई गति दी। बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी ने यह संकेत दिया कि उनका संवाद और अपील दोनों ही प्रभावी रहे। चुनाव जैसे बड़े आयोजन में बूथ स्तर पर मजबूत प्रबंधन बेहद अहम होता है। इस मोर्चे पर भी बबिता तिवारी की भूमिका उल्लेखनीय रही। उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ लगातार संपर्क बनाए रखा और बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने के लिए विशेष रणनीति अपनाई। इससे चुनावी मशीनरी को व्यवस्थित और सक्रिय बनाए रखने में मदद मिली। महिला मोर्चा को संगठित और सक्रिय बनाने में बबिता तिवारी की भूमिका निर्णायक मानी जा रही है। उन्होंने बड़ी संख्या में महिलाओं को अभियान से जोड़ा और उन्हें संगठन के विभिन्न कार्यक्रमों में भागीदारी के लिए प्रेरित किया। उनके प्रयासों से महिला कार्यकर्ताओं में उत्साह और आत्मविश्वास दोनों बढ़ा, जो चुनावी गतिविधियों में साफ तौर पर नजर आया।

घटना : सोते वक्त 2 परिवार के 12 लोग फंसे, लाखों के सामान जलकर खाक

मेरठ में भीषण आग, बाप-बेटी की दम घुटने से मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ के एक मकान में लगी भीषण आग में दम घुटने से 8 साल की बच्ची और उसके पिता की मौत हो गई। जबकि 2 परिवार के 10 लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं। जिस समय आग लगी उस समय उस मकान में रह रहे लोग सो रहे थे। जब तक लोग कुछ समझ पाते आग ने पूरे मकान को चपेट में ले लिया, चारो तरफ आग और धुआं फैल गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची दमकल गाड़ियां पहुंच गईं। रेस्क्यू कर लोगों को बाहर निकाला गया और अस्पताल में भर्ती कराया गया। रविवार मध्यरात्रि के बाद की यह घटना पल्लवपुरम थानाक्षेत्र के रोशनपुर डोरली की है। डॉक्टर्स के अनुसार, इलाज के दौरान बच्ची और उसके पिता की मौत हो गई। दोनों के फेफड़ों में धुआं भर गया था। जबकि अन्य 10 लोगों का इलाज चल रहा। आग लगने की वजह

फिलहाल सामने नहीं आ सकी है। हालांकि, शार्ट सर्किट से आग की आशंका जताई जा रही। रोशनपुर डोरली में किला परीक्षितगढ़ के रहने वाले सतीश का एक मकान है। मकान के आगे के हिस्से में दो दुकानें हैं। दोनों दुकानों में कृष्ण पाल टेंट हाउस चलाते हैं। इसके अलावा पीछे के हिस्से में 5 कमरे और दो किचन है। इसमें दो परिवार किराए पर रहता है। पहला परिवार सागर गिरी का है। वह अपनी मां कांति, पत्नी ज्योति, 8 साल की बेटी शिवानी और दोनों बेटे शिव और करण के साथ रह रहे थे। जबकि दूसरा परिवार संजय का है। संजय अपनी पत्नी सरिता, बेटी भावना और बेटे आशु, प्रिंस व करण के साथ रहते थे।

रात करीब डेढ़ बजे लगी आग

पड़ोसियों के अनुसार, रविवार मध्य रात्रि के बाद करीब 1.30 बजे अचानक आग लग गई। आग कुछ ही पल में पूरे मकान को चपेट में ले ली। अंदर परिवार के लोग सो रहे थे। वे जबतक जागते आग ने पूरी मकान को चपेट में ले लिया।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी सुरेंद्र सिंह ने बताया- शुरुआती जांच में शार्ट सर्किट से आग लगने की बात सामने आ रही है। जिस मकान में आग लगी है उसमें टेंट हाउस का भी संचालन होता है। आग में फंसे सभी लोगों को बाहर निकाल लिया गया और उनको अस्पताल पहुंचा दिया गया है।

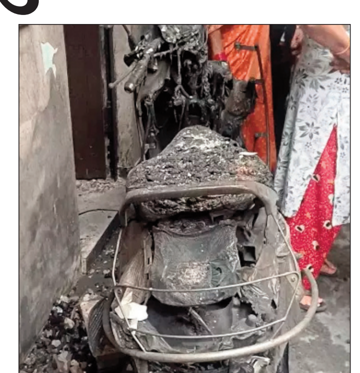

पृष्ठ 01 का शेष...

गंगोत्री से ...

किसने किसे वोट दिया किसे नहीं दिया उससे ऊपर उठकर काम करें। आज मैं महसूस करता हूं कि मां गंगा का आशीर्वाद हम सब पर है। मां ब्रह्मपुत्र, मां कामख्या का भी हम सब पर आशीर्वाद रहा है। असम की जनता ने तीसरी बार एनडीए पर भरोसा किया है। असम के इतिहास की बहुत बड़ी घटना है असम की टी गार्डन वाले क्षेत्रों में भी भाजपा को समर्थन मिला है। असम अब अपने विकास की रफ्तार अब और बढ़ाएगा। साल 2021 में हमने पुडुचेरी की जनता के सामने बेस्ट पुडुचेरी का विजन रखा उन्होंने उस विजन पर विश्वास जताया। पिछले 5 साल में इस विजन को पूरी निष्ठा के साथ गति देने का काम किया गया। मैं पुडुचेरी के युवाओं को फिशरमैन साथियों को भी विश्वास दिलाता हूं कि एनडीए आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए काम करती रहेगी।

योगी कैबिनेट...

उत्तर प्रदेश में इस वर्ष सभी स्थानांतरण 31 मई 2026 तक पूरे किए जाएंगे। जिले में तीन साल और मंडल में सात साल की नौकरी पूरी करने वाले कर्मचारी तबादले की जद में आएंगे। वहीं, आकांक्षी जिलों में कोई भी पद रिक्त न रखने की व्यवस्था जारी रहेगी। तबादलों में सरकारी सेवा में दंपत्तियों को एक जगह तैनाती देने, दिव्यांगों और गंभीर रोग से ग्रसित कर्मचारियों को तबादले में राहत देने का भी प्रावधान होगा। लखनऊ में आउटर रिंग रोड से रैथा अंडरपास को फोर लेन सड़क से जोड़ा जाएगा। इस पर 546 करोड़ रुपये खर्च होंगे।अभी तक तामीला व्यक्तिगत रूप से होता था। वो ईमेल, मोबाइल से होगा। इसे मान्य माना जाएगा। बच्चों को टेक्नोलॉजी का ज्ञान देने के लिए प्रदेश में नेल्को 150 राजकीय विद्यालयों में लैब की स्थापना की जाएगी। ड्रीम स्किल लैब्स की स्थापना की जाएगी। इसमें 68 प्रतिशत राशि नेल्को, 32 प्रतिशत राज्य सरकार देगी। इसमें नेल्को 1360 करोड़ रुपये और राज्य सरकार 640 करोड़ रुपये खर्च करेगी। पहले चरण में 18 मंडल मुख्यालयों पर ड्रीम स्किल लैब्स की स्थापना की जाएगी। इस पर 240 करोड़ रुपये खर्च होंगे। रिसर्च असोसिएट का का कार्यकाल 2 साल से बढ़ाकर तीन साल किया गया। वृक्षारोपण के लिए 147 करोड़ रुपये की मांग की है। 30 प्रतिशत फलदार पेड़ लगाए जाएंगे। मौसम के हिसाब से पेड़ लगाए जाएंगे। हर जिले में एक विश्वविद्यालय बने, इस पर सरकार काम कर रही है। अमरदीप मेमोरियल ट्रस्ट फिरोजाबाद में अमरदीप विश्वविद्यालय बनाएगा। आज आशय पत्र निर्गत किया गया , मेट्रो विश्वविद्यालय को संचालन का एलओपी दिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट का ...

उन्होंने कहा कि यह संशोधन ट्रांसजेंडर व्यक्तियों से 'सेल्फ आइडेंटिफिकेशन' (अपनी पहचान खुद तय करने) का अधिकार छीनता है। यह 2014 के ऐतिहासिक NALSA जजमेंट के खिलाफ है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने खुद की लैंगिक पहचान चुनने को मौलिक अधिकार घोषित किया था। इस पर सिंघवी ने जवाब दिया कि उनकी जानकारी के अनुसार ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए अभी कोई आरक्षण लागू नहीं है, इसलिए गलत इस्तेमाल की संभावना नहीं है।

डिफेंस की ...

जब भी ऑपरेशन सिंदूर की बात आती है तो मुझे अपनी सेनाओं के शौर्य स्वाभाविक रूप से याद आता है। आतंकियों को और उनके सरपरस्तों को जो मुहंतोड़ जवाब हमारे सैनिकों ने दिया उससे पूरे देश का सिर गौरव के साथ ऊंचा हो गया। ये तो अच्छा हुआ कि हमने धैर्य दिखाते हुए केवल आतंकवादियों का सफाया किया। नहीं तो हमारी सेनाएं क्या कुछ करने में सक्षम नहीं हैं। इसका अंदाजा पूरी दुनिया को अब हो चुका है। रक्षा मंत्री ने कहा- साथियों ऑपरेशन सिंदूर अपने आप में टेक्नोलॉजिकल वार फेयर का एक नमूना है। इस ऑपरेशन में आकाश और ब्रह्मोस जैसी मिसाइल के लेटेस्ट सिस्टम को शामिल किया गया। मैंने हमेशा आर्म फोर्सेस और डिफेंस को बराबर एक बात कही है। हमने सिर्फ एक्टिव नहीं बल्कि प्रो एक्टिव भी रहना है।

चाचा-भतीजा...

2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। सीएम ने कहा कि अब तक 9 लाख से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए जा चुके हैं और एक भी नियुक्ति पर सवाल नहीं उठा। एमएसएमई सेक्टर में तीन करोड़ लोगों को रोजगार मिल रहा है और प्रदेश आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है सीएम ने सुरेश खन्ना की सक्रियता का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी कार्यशैली से सीख लेनी चाहिए। कहा- इस उम्र में भी उनकी ऊर्जा प्रेरणादायक है। आपको भी ईमानदारी से काम करते हुए स्थानीय निकायों के हितों की रक्षा करनी होगी।

मां, 4 बच्चों की ...

जांच में आमिर का नाम सामने आया। मामला अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के मीरानपुर मोहल्ले का है। मुठभेड़ के दौरान एसओजी प्रभारी विनोद यादव के बुलेटप्रूफ जैकेट में गोली लगी। एक दरोगा और एक सिपाही भी घायल हुए हैं। मौके से पुलिस ने एक बाइक, एक पिस्टल और खाली कारतूस बरामद किए। पुलिस के मुताबिक, शनिवार (2 मई) की सुबह 8 बजे जब दूधवाला आया तो घर बंद था। उसने कई आवाज लगाई पर दरवाजा नहीं खुला।

संभल डीएम को 17 बार कॉल की, पूछा- कैसे हो

मुझे जेल तो नहीं भेजोगे, पुलिस ने गिरफ्तार किया तो बोला- अब जेल भेज रहे

तमसा संकेत, एजेंसी

संभल। संभल में एक युवक ने डीएम को 17 बार फोन किया। युवक ने बताया कि मैंने बस मजे-मजे में कॉल की थी। डीएम सर से पूछा भी था कि कोई सजा तो नहीं देंगे। उन्होंने कहा था नहीं देंगे और देखो मुझे जेल भेज रहे हैं। मैंने तो बस हालचाल लिया था। पुलिस ने युवक का शांतिभंग में चालान किया है। सिटी मजिस्ट्रेट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। युवक ने एक दिन पहले सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के कार्यक्रम में शायरी पढ़ी थी और उनकी तारीफ की थी। पूरा मामला थाना हयात-नगर थाना क्षेत्र का है। सरायतरीन के मोहल्ला नवाबखेल कच्चा बाजार के रहने वाले अराफात पुत्र एजाज को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अराफत ने 2 मई को 17 बार डीएम के सीयूजी नंबर पर कॉल किया और उनसे तरह-तरह की बातें करके परेशान किया युवक कभी डीएम से हालचाल पूछता तो कभी पूछता आप मुझ पर कार्रवाई तो नहीं करा देंगे। कई बार फोन कंट्रोल रूम से रिसीव किया गया। इसके बाद पुलिस ने रविवार शाम को युवक को गिरफ्तार कर लिया। रविवार देर रात ही डीएम का ट्रांसफर मुरादाबाद हो गया है।

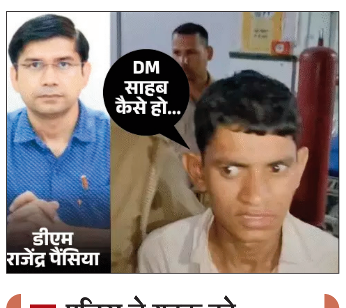

- **पुलिस ने युवक को गिरफ्तार करके 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।**

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676